संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 177
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
रविवार 27 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

भजन क्लबिंग में जेन-जी के बीच दिखे पीएम मोदी

इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर पूछा-क्या आपने पैर थपथपाए?

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग अंदाज देखने को मिला। वे दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित 'भजन क्लबिंग' कार्यक्रम में जेन-जी युवाओं के बीच पहली पंक्ति में बैठे नजर आए। इस दौरान वे भक्ति गीतों की धुन पर ताली बजाते और खंजरी बजाते दिखे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर इस कार्यक्रम का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'क्या इसे देखते हुए आपने अपने पैर थपथपाए?' दरअसल, 'भजन क्लबिंग' युवाओं, खासकर जेन-जी के बीच तेजी से उभरता हुआ एक आध्यात्मिक ट्रेंड है। इसमें पारंपरिक भजनों और कीर्तनों को आधुनिक संगीत और अंदाज में पेश किया जाता है, ताकि युवा

पीढ़ी भक्ति से जुड़ सके। इसी कड़ी में भारतीय जनसंघ के नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मंच के सामने दर्शकों के बीच बैठे हैं, जबकि मंच पर गायक और संगीतकार भक्ति गीत गा रहे हैं। पीएम मोदी पूरे भक्ति भाव में लीन होकर ताली बजाते नजर आ रहे हैं।

'एआई की ताकत का इस्तेमाल जरूरी'

जोखिमों से निपटने की तैयारी भी अहम: एस जयशंकर

एजेंसी

न्यूयॉर्क । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, और इसके संभावित नतीजों के साथ ही इससे जुड़े जोखिमों से निपटने की तैयारी करने के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने याद दिलाया है कि हाल ही में हुए 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपनाए गए 'नई दिल्ली घोषणापत्र' में एआई संसाधनों को सभी के लिए सुलभ बनाने, सुरक्षित और भरोसेमंद सिस्टम विकसित करने, मानवीय क्षमताओं को बढ़ाने और आर्थिक विकास व सामाजिक कल्याण के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है। विदेश मंत्री ने ये बातें ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्रिटिस के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संदर्भ में एआई, समुद्री सुरक्षा पर विशेष ध्यान' विषय पर आयोजित एक सत्र की सह-अध्यक्षता करते हुए कहीं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने शनिवार को एक्स पोस्ट में इस बैठक से जुड़ी अहम बातें साझा

करते हुए कहा, 'एआई से मिलने वाली संभावनाओं का लाभ उठाने, इसके नतीजों का अनुमान लगाने और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया गया। इसके लिए एक ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखे। बताया गया कि नई दिल्ली घोषणापत्र में एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक पहुंच, सुरक्षित और भरोसेमंद सिस्टम बनाने, मानवीय क्षमताओं में निवेश करने और आर्थिक विकास व सामाजिक भलाई के लिए एआई का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है। '

समुद्री क्षेत्र में एआई की क्षमता को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि यह तकनीक समुद्री क्षेत्र की जानकारी (मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस), खोज और बचाव, आपदा के समय कार्रवाई, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और बंदरगाहों व अहम बुनियादी ढांचे की मजबूती को बढ़ा सकती है।

साथ ही, उन्होंने कहा कि यह जहाजों, संचार नेटवर्क और समुद्र के नीचे के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले एडवांस्ड टोही अभियानों, कमजोरियों का पता लगाने और साइबर ऑपरेशन्स को भी संभव बना सकता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'इस बात पर जोर दिया कि समुद्री सिस्टम में बढ़ती स्वायत्तता से जिम्मेदारी तय करने, जवाबदेही और तनाव बढ़ने जैसे सवाल उठते हैं, साथ ही फैसला लेने का समय भी कम हो जाता है। बताया गया कि समुद्री क्षेत्र में, यूएन चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून (जिसमें समुद्र का कानून भी शामिल है) देशों के व्यवहार को नियंत्रित करने वाले जरूरी आधार बने हुए हैं।

इम्फाल पूर्व में दो एनआरएफएम कैडर गिरफ्तार, वसूली गई 30,500 नकदी बरामद

इम्फाल। मणिपुर के इम्फाल पूर्वी जिले में स्पेशल सीडीओ यूनिट की टीमों ने नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर (एनआरएफएम) के दो कथित सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, मामले में जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान लाइशराम सुरेश उर्फ एल. टोम्बा सिंह (27) के रूप में हुई है। वह इम्फाल पूर्वी जिले के अचनबिगेई स्थित कोइरेंगेई मामांग लीकाई निवासी लाइशराम पामचौबा सिंह का पुत्र है। उसे उसके इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने कथित रूप से वसूली गई 30,500 नकदी, एक आईफोन और एनआरएफएम के पांच मांग-पत्र बरामद किए। इसके अलावा, काले रंग की मोटरसाइकिल भी जब्त की गई, जिसका पंजीकरण नंबर एमएन06 एसए-6260 है।

कांग्रेस-सपा में टकराव बढ़ा

इकरा हसन के बयान पर इमरान बोले- 'न करें गठबंधन, हम क्या भीख मांग रहे'

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच घमासान है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सपा सांसद इकरा हसन के बयान 'बिना गठबंधन कांग्रेस कुछ नहीं पाएगी' पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन नहीं करना है तो न करें। हम अपने काम पर लगे हुए हैं। समाचार एजेंसी बातचीत में सांसद इमरान मसूद ने कहा, 'न करें गठबंधन, कौन कह रहा है? हम क्या किसी से भीख मांग रहे हैं? जिसको जो करना है, वह करे। जब बारात चढ़ती है, तो बहुत सारे ढोल बजाने वाले भी होते हैं, नाचने-गाने वाले भी होते हैं। इन नाचने-गाने वालों को नाचने-गाने दीजिए। हम अपने काम पर लगे हुए हैं।' सपा विधायक शिवपाल यादव के बयान पर इमरान ने कहा, 'यह उनकी सोच हो सकती है, कांग्रेस

अपने काम पर लगी हुई है। शिवपाल यादव जो बात कह रहे हैं, वह पार्टी के अंदर ही अप्रासंगिक हो गए हैं। वह अपने नेता से यह बात अगर वह कहेंगे, तब तो उसके ऊपर कोई मायने होंगे, इसके अलावा कोई मायने नहीं हैं। ' कांग्रेस सांसद ने कहा कि बहुत सारे लोग बहुत सारी बातें बोलते रहते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता है। हमारे यहां भी बहुत सारे लोग इधर-उधर की बातें करते रहते हैं, तो जब बारात चढ़ती है ना, बहुत सारे ढोल बजाने वाले आते हैं, तो ढोल बजाने वालों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। इससे पहले, शिवपाल सिंह यादव ने एक बयान में कहा था कि कांग्रेस को वोट नहीं मिलना है। उधर, समाजवादी पार्टी के सांसद रमाशंकर राजभर ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं के बयानों से 'इंडिया गठबंधन' आहत होता है।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के कुछ नेता जो ऐसे बयान देते हैं, जिससे इंडिया गठबंधन आहत होता है और भारतीय जनता पार्टी को लाभ देने वाले बयान कांग्रेस की ओर से आते रहे हैं।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी का गठबंधन राहुल गांधी और अखिलेश यादव तय करेंगे, लेकिन जो कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बेतुके बयान आ रहे हैं, यह केवल दबाव बनाने के लिए आते हैं। कांग्रेस यूपी-बिहार में कितना पानी में है, यह जगजाहिर है। '

बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टली

.एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के फैसले को दी गई चुनौती पर शनिवार को होने वाली सुनवाई टल गई है।

महिला पहलवानों की याचिका पर अब राउज एवेन्यू कोर्ट में 28 सितंबर को सुनवाई होगी। जज दिग्विनय सिंह के ट्रेनिंग में चले जाने की वजह से सुनवाई टली है। बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीते 3 अगस्त को बरी कर दिया था। यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को सेशन कोर्ट में चुनौती दी। चार महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में अपील की है। मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर के बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश कानून की नजर में टिकाऊ नहीं है और सबूतों का गलत व चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। अपील में आरोप लगाया गया कि आदेश अनुमान और अटकलों पर आधारित है और स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही तरीके से लागू नहीं किया गया।

महाराष्ट्र में दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव, तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूटे

एजेंसी

नागपुर । मध्य प्रदेश के नागपुर डिवीजन के अंतर्गत बोरखेड़ी में एक ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। इस पत्थरबाजी में ट्रेन की तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। हालांकि, किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई। फिलहाल, रेलवे पुलिस की टीमें घटना की जांच में जुटी हैं। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8.27 बजे, बोरखेड़ी स्टेशन से गुजरने के बाद नागपुर-मुंबई सीएसएमटी दुरंतो एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12290) पर पत्थरबाजी की सूचना मिली, जिससे कोच ए-1, बी-2 और बी-5 की खिड़कियों के शीशे टूट गए।

एस्कॉर्ट स्टाफ और यात्रियों ने पुष्टि की कि लगभग 8.27 बजे बाहर से किसी चीज (पत्थर) ने खिड़कियों पर टक्कर मारी थी। घटना के कुछ देर बाद आरपीएफ और जीआरपी टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बोरखेड़ी-सिंधी सेक्शन के बीच किलोमीटर 803 से किलोमीटर 796 तक तलाशी ली। बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांवों के आस-पास के इलाकों की भी जांच की गई। पुलिस पाटिल व स्थानीय निवासियों से पूछताछ की गई। फिलहाल, कोई संदिग्ध व्यक्ति या ठोस सबूत नहीं मिला है। इसके बाद शनिवार रात करीब 2.55 बजे एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत अपराध दर्ज किया गया।

सीईसी ज्ञानेश कुमार दें खुद इस्तीफा, उसी में उनकी सुरक्षा और भविष्य: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई है। पार्टी नेताओं ने कहा कि ज्ञानेश कुमार खुद इस्तीफा देते हैं तो उनकी सुरक्षा, उनके हित और उनके भविष्य की सुरक्षा उसी में है। कांग्रेस सांसद और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, 'वह (ज्ञानेश कुमार) खुद इस्तीफा दे दें। उनकी सुरक्षा, उनके हित और उनके भविष्य की सुरक्षा उसी में है। अगर वह अप्रूवर बन गए, तो सुरक्षित रहेंगे, नहीं तो उनका आने वाला वक्त जेल में ही गुजरेगा।' पवन खेड़ा ने ज्ञानेश कुमार को लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के बयान पर कहा, 'पद्म भूषण बहुत छोटी चीज है। प्रधानमंत्री बना दो। जो आदमी दूसरों को प्रधानमंत्री बना सकता है, उसी को बना दो। ज्ञानेश कुमार को प्रधानमंत्री बनाना चाहिए। '

समाचार एजेंसी बातचीत में कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को लेकर 'इंडिया ब्लॉक' की बैठक की अटकलों पर कहा, 'सवाल किसी राजनीतिक दल का नहीं है, सवाल देश के प्रजातांत्रिक पद्धति का है और सवाल चुनाव आयोग की निष्पक्षता से है, चुनाव आयोग की स्वतंत्रता से है। मैं समझता हूं कि इसलिए अगर जो लोग देश को बचाना चाहते हैं, लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं, वो निश्चित रूप से एक प्लेटफॉर्म पर आएंगे। '

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने पर उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से पूरे देश में जो लोकतांत्रिक पद्धति से चुनाव होना और पूरी शासन व्यवस्था को कटघरे में अगर किसी ने रखा है, तो ज्ञानेश कुमार ने रखा है। न यह निष्पक्ष हो पाए, यह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में कार्य किए और न तो स्वतंत्र हो पाए। जो भाजपा सरकार ने कहा, वह इन्होंने काम किया। ' कांग्रेस सांसद ने कहा कि सबसे दुखद स्थिति यह है कि 'चोर-चोर मौसेरे भाई' वाली कहावत यहां पर लगती है। यहां खुद चुनाव आयोग की कार्यशैली संदिग्ध है और लगातार राहुल गांधी जिन बातों को उठा रहे हैं, जिसकी सफाई भारतीय जनता

पार्टी दे रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने कहा, 'मुझे लगता है कि ज्ञानेश कुमार मुश्किल में फंस गए हैं। 2023 में उन्हें कानून से एक बहुत बड़ी सुरक्षा मिली थी कि पद पर रहते हुए सीईसी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। अब, अगर वह इस्तीफा देते हैं, तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी और उनसे जुड़े लोगों की भी जांच होगी। लेकिन अगर वह पद पर बने रहते हैं, तो हर दिन उनकी आलोचना होती रहेगी। वह भारतीय लोकतंत्र के हत्यारे हैं। ' महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने भी सीईसी ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'किस मुंह से चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार आपके सामने आएंगे? भाजपा आरोप लगाती रही कि राहुल गांधी एसआईआर का विरोध करके राजनीति कर रहे हैं। 14 दिसंबर 2025 को हम लोगों ने रामलीला मैदान में वोट चोर अधिकार रैली की, पूरी दिल्ली गूंज रही थी। दूसरी तरफ चुनाव आयोग के दो सदस्य संधू और जोशी 10 महीने में 14 पत्र लिखकर इसी बात को रखते हैं, जो राहुल गांधी कर रहे थे। ' उन्होंने कहा कि अब हाहाकार है और देश सड़कों पर आया है। राहुल गांधी ने बोला था, अब उसका असर यह होता है कि ज्ञानेश कुमार को अपना यह फैसला रात को लेना पड़ता है कि अब कैंपस और विश्वविद्यालयों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। जेन-जी को मतदाता बनाया जाएगा। सीईसी ने फॉर्म-6 के साथ अब तक छेड़छाड़ की थी। यह अधिकार ज्ञानेश कुमार को नहीं था। नियमों का फेरबदल का फैसला सरकार के पास है। अब ज्ञानेश कुमार को आगे नहीं आना है, बल्कि जेल जाना है। कांग्रेस सचिव (संगठन) नेट्टा डिसूजा ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर कहा, 'ज्ञानेश कुमार और मोदी सरकार को देश को जवाब देना होगा। यह दुनिया का सबसे बड़ा करप्शन है। इसने लोकतंत्र को खत्म किया है। आने वाले दिनों में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। ' वहीं, सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर कहा, 'लोकतंत्र के हत्यारे और लोकतंत्र को लूटने वाले ज्ञानेश कुमार का इतिहास चुनाव की राजनीति में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। जो किरकिरी निर्वाचन आयोग की कराई गई है, वह केवल विपक्ष नहीं कह रहा है, देश की जनता नहीं कह रही है, बल्कि निर्वाचन आयोग के 2 अन्य सदस्यों ने भी सवाल उठाया है। निर्वाचन आयोग के सीईसी के अब बुरे दिन आने वाले हैं।

पीएम मोदी और रक्षा मंत्री समेत अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर याद करते हुए श्रद्धांजलि दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कई साल बिताए और पूरी निष्ठा के साथ देश की सेवा की।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। सार्वजनिक जीवन और भारत की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। ' केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं विख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर सादर नमन करता हूं! ' असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। देश के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। ' केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एक्स पर लिखा, 'भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं महान अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

' भाजपा नेता और उद्योगपति नवीन जिंदल ने एक्स पर लिखा, 'डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर याद करते हुए। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी और दुनिया में देश को एक नई पहचान दिलाई। प्रधानमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान संसद में सेवा करना और जिस शालीनता और गरिमा के साथ उन्होंने इस सर्वोच्च पद को संभाला, उससे सीखना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। उनकी विनम्रता और ईमानदारी भारतीय सार्वजनिक जीवन में एक मिसाल बनी हुई है। 'डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भारतीय इतिहास में एक ऐसे अर्थशास्त्री के तौर पर हमेशा याद किया जाएगा जिन्होंने देश की आर्थिक प्रगति की मजबूत नींव रखी। 1991 में वित्त मंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में अहम बदलावों का रास्ता तैयार किया। 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान, डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत के लोगों के अधिकारों और अवसरों को बढ़ाने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, सूचना का अधिकार अधिनियम और शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे अहम कानून और कार्यक्रम लागू किए।

सुरक्षा पर योगी सरकार का पूरा फोकस

अभेद्य दुर्ग बना इंटरनेशनल ट्रेड शो

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को देखते हुए इंटरनेशनल ट्रेड शो परिसर और उसके आसपास सुरक्षा का अभेद्य दुर्ग बना रहा। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 3,000 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ पीएसी की सात कंपनियां तैनात रहीं। रूट से लेकर हेलीपैड, प्रवेश द्वार, गैलरी और हॉल तक पुलिस की नजर रही। आसपास के प्रमुख मार्गों, ऊंची इमारतों और संवेदनशील स्थानों को भी सुरक्षा घेरे में रखा गया।

आउटर-इनर कॉर्डन से लेकर एंटी-ड्रोन, एंटी-डेमो और ट्रैफिक व्यवस्था तक सुरक्षा का पूरा तंत्र सक्रिय रहा। यूपीआईटीएस का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित हो रहा है, जिसे लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ज्वाइंट सीपी राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। सुरक्षा व्यवस्था की पहली परत आउटर कॉर्डन रही। इसके तहत कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों के साथ रिंग रोड, अंडरपास, वेंडिंग जोन और मेट्रो स्टेशन जैसे स्थानों पर पुलिस की ड्यूटी रही।

हाईराइज इमारतों पर रूफटॉप निगरानी के साथ मॉल, ओवरब्रिज पर भी सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। कार्यक्रम स्थल के आसपास बाहर से आने वाले प्रमुख रास्तों और ऊंची जगहों पर पुलिस की नजर रही।

यूपी बनेगा देश का नंबर-1 टेक्नोलॉजी ह्ब- जितिन □साद

डबल इंजन सरकार के समन्वय से तेज हो रहा बदलाव

लखन□ □संवाददाता□। यूपी केवल इलेक्ट□ह्निक्स विनिर्माण का कें□ बनने तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट□ह्निक्स, टेक्नोलह्जी और इनोवेशन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उ□ार □देश देश का अगला ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। यह बात कें□ीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन □साद ने यूपीज जर्नी □ह्म इलेक्ट□ह्निक्स लीडर टू एआईके एंड सेमीकंडक्टर पावरहाउस' सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश और दुनिया में निवेश की चर्चा के दौरान उ□ार □देश का नाम □मुखता से लिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य उ□ार □देश को टेक्नोलह्जी, इनोवेशन, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग का □मुख ह्ब बनाना है और इसके लिए राज्य में तेजी से जरूरी इकोसिस्टम तैयार हो रहा है। □धानमंत्री नरें□ मोदी के राष्ट□ी विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उ□ार □देश में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कें□ और राज्य के बीच बेहतर समन्वय वाली डबल इंजन सरकार इस बदलाव को गति दे रही है। टेक्नोलह्जी और ट□ड देश की विकास यात्रा के दो महत्वपूर्ण इंजन हैं और उ□ार □देश इनके माध्यम से नई □चाइयों को हासिल कर सकता है। □यास केवल नोएडा तक निवेश सीमित रखने का नहीं, बल्कि उ□ार □देश के अन्य हिस्सों में भी इलेक्ट□ह्निक्स औसेंटर्स, एआई लैब्स तथा टेक्नोलह्जी के अवसर पैदा करने का है। इसका सीधा लाभ राज्य के युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सैमसंग और

□देश में बन रहे नए इकोसिस्टम की तस्वीर □स्तुत करते हैं। योटा जैसे बड़े निवेश, डाटा सेंटर्स, एआई लैब्स तथा टेक्नोलह्जी इं□ास्ट□क्चर उ□ार सरकार का □यास है कि राज्य में डिजाइन से लेकर सेमीकंडक्टर कह्म्पोनेंट्स, इलेक्ट□ह्निक मैन्युफैक्चरिंग और कह्म्पोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम एक्सपोर्ट तक पूरी वैल्यू चेन विकसित हो। भारत अब केवल उत्पादों की असेंबली करने वाला देश नहीं रहेगा। इलेक्ट□ह्निक्स जैसी पहल के जरिए देश कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में बढ़ रहा है। उ□ार □देश इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कें□ीय मंत्री ने उद्योग जगत को स्पष्ट संदेश दिया कि सरकारी □ोत्साहन और सब्सिडी विकास को गति देने का माध्यम हैं, लेकिन उद्योगों की दीर्घकालिक सफलता उनकी अपनी □तिस्पर्धात्मक क्षमता पर निर्भर करेगी। सरकार जमीन, नीतियां, मंजूरियां और सुविधाएं उपलब्ध करा सकती है, लेकिन उद्योगों को अंततः कह्म्पिटेटिव और सेल्फ सस्टेनिंग बनना होगा।उन्होंने युवाओं को एआई इनोवेटर्स, रिसर्चर्स और एडह्प्टर्स के रूप में तैयार करने की ज□रूरत बताई।

योगी ने दिल्ली में पीएम मोदी से की मुलाकात, कई अहम राजनीतिक मु□ों पर हुई चर्चा

लखन□ □संवाददाता□। उ□ार □देश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को राष्ट□ीय राजधानी दिल्ली पहुंचे और □ध ाानमंत्री नरें□ मोदी से मिलने के लिए उनके आधिकारिक आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग गए। सूत्रों के अनुसार, □धानमंत्री के साथ सीएम योगी की मुलाकात करीब एक घंटे तक चली। बताया जा रहा है कि इस दौरान उ□ार □देश से जुड़े कई अहम राजनीतिक मु□ों पर बातचीत हुई। अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान, योगी आदित्यनाथ बीजेपी के राष्ट□ीय अध्यक्ष नितिन नबीन और कें□ीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे। यह दौरा योगी आदित्यनाथ और कें□ीय गृह मंत्री अमित शाह के ग्रेटर नोएडा में उ□ार □देश इंटरनेशनल ट□ड शो 2026 में शामिल होने के एक दिन बाद हो रहा है। इस कार्य□म के दौरान, मुख्यमंत्री ने रूस, वियतनाम, बेलारूस, जापान, सिंगापुर और अन्य सहयोगी देशों की कंपनियों के साथ एक राउंड-टेबल बैठक की और उन्हें उ□ार □देश के डिफेंस, फार्मास्यूटिकल्स, एविएशन, मेडिकल डिवाइस, □षि और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

सवर्ण नहीं दलित होंगे विधानसभा चुनाव में निर्णायक

लखन□ □संवाददाता□। यूपी असेम्बली इलेक्शन बाबत सियासी पार्टियों ने अपनी-अपनी बिसात बिछाना शुरू कर दी है। स□ारूढ़ भाजपा, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सभी राजनीतिक दांव-पेंच लगा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस दफा सवर्ण नही दलित वर्ग निर्णायक भूमिका में होगा। इस लिहाज से 2027 के विधानसभा चुनाव में सबकी नजर दलित और अति पिछड़ा वोट बैंक पर है। □देश में करीब 21 फीसदी दलित मतदाता हैं और अनुसूचित जाति के लिए 84 सीटें आरक्षित हैं। दलित मतदाताओं के भरोसे के लिए सपा लाल से नीले रंग की तरफ बढ़ी तो कांग्रेस ने राजें□ पाल गौतम को □देश का □भारी बनाकर दलित मतदाताओं को संदेश देने की कोशिश की है। लोग मान रहे हैं कि बसपा के □ति दलित मतदाताओं का भरोसा अब पूर्ववत नही रहा। 2022 के विध ाानसभा चुनाव में बसपा को 65 फीसदी दलित वोट मिला था। 2024 के लोकसभा चुनाव में घटकर 44 □तिशत रह गया। पिछले दो वर्षों में बसपा के □ति दलितों का भरोसा और कमजोर हुआ है। आरक्षण के खिलाफ सवर्ण समाज में उठती आवाज और आरक्षित सीट पर नियु□यां न करने के विपक्षी आरोप सहित कई अन्य मु□ों पर दलित भाजपा के साथ बहुत सहज नहीं है। कांग्रेस और सपा इसमें सियासी फायदा तलाश रही हैं।लोकनीति सीएसडीएस के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा के □ति भी दलित समर्थन बढ़ा है।विधानसभा में भाजपा को 21 □तिशत दलित वोट मिलालोकसभा में यह बढ़कर 24 फीसदी हो गया। दलित मतों में विभाजन का नुकसान बसपा को हुआ।दलित, अति पिछड़ा मतदाता सपा पर अकेले भरोसा करने के बजाय कांग्रेस के साथ उसके गठबंधन पर ज्यादा यकीन करता है। कांग्रेसी विचारधारा के लोग मानते हैं कि कांग्रेस और सपा गठबंधन में चुनाव लड़ते हैं, तो 2024 की तरह 2027 में भी दलित गठबंधन को वोट करेंगे। अति पिछड़ा वर्ग भी कांग्रेस के साथ गठबंधन में सपा की तरफ लौट सकता है। इसलिए दलितों और ओबीसी मतदाताओं को पटाने की विपक्षी पार्टियों के साथ ही स□ारूढ़ दल बीजेपी भी पुरजोर कोशिश कर रही हैं।

चला गया जेपी की फौज का खास सिपाही

चुनाव जीतना है, अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाना है

लखन□ □संवाददाता□। पूर्व नेता □तिपक्ष विधानसभा और आठ बार विधायक रहे राम गोविंद चौधरी ने शु□वार की रात पीजीआई लखन□ में अंतिम सांस ली। कुछ महीने पहले तबीयत खराब होने पर चौधरी को हालचाल लेने के लिए अखिलेश यादव अस्पताल गए थे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/45 दिनांक : 25.09.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	63255691	मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ बोल्ट्स एण्ड नट्स ऑफ 25 एमएम डाया ऑफ वेरियस साइजेस ऐज पर स्पेसिफिकेशन आईआरएस-टी-23-2021 विथ लेटेस्ट एमेंडमेन्ट	152.48 एमटी.	09-NOV-26
2	80265016	सिलिंड्रिकल रोलर बेयरिंग	1236 सेट एवं 25 नग	28.10.2026
3	30264292	बैटरी बॉक्स	415 नग	21.10.2026
4	30262820A	फुट स्टेप कम्पलीट	1593 नग	01.12.2026
5	70254301डी	विंटर जैकेट	5496 नग	19.10.2026
6	40263203	लेड एसिड बैटरी 8V 500AH	527 नग	27.10.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2192/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

वरुण गांधी के बहुरेंगे दिन, जायेंगे राज्यसभा !

कई दिग्गजो का भी पहुंच सकते उच्च सदन

लखन□ □संवाददाता□। भाजपा यूपी में नए समीकरणेंसंरक्षण का भाव मिला। तभी से कयास लग रहा है कि भाजपा और संदेशों के जरिए ताकत बढ़ाने में जुटी है।बीजेपी ने में उन्हें तवज्जो मिल सकती है। पूर्व राष्ट□ीय पदाधिकारी एवं राज्यसभा एवं विधान परिषद में □भावी औरजातीय समीकरणों पर खरे उतरने वाले चेहरों पर मंथन किया है।चर्चा है कि पूर्व सांसद वरुण गांधी को भाजपा उच्च सदन भेजकर मोदी मंत्रिमंडल में शामिल करने का रास्ता साफ कर सकती है।पार्टी ने राज्यसभा एवं विधान परिषद चुनाव को भी लोकसभा की तरह गंभीरता से लड़ने की बात कहकर विरोधी दलों को संदेश दे दिया कि मिशन-2027 में कोई चूक नहीं की जाएगी।वरुण भाजपा में राष्ट□ीय उपाध्यक्ष रहने के साथ 2009 में सुलतानपुर एवं 2019 में पीलीभीत से सांसद रह चुके हैं लेकिन पार्टी ने 2024 लोकसभा चुनाव में उनकी मां मेनका गांधी को तो सुलतानपुर से चुनाव लड़ाया लेकिन कई अवसरों पर पार्टी की नीतियों की आलोचना करने की वजह से वरुण को तीसरी बार टिकट नहीं मिला। दो साल से ज्यादा समय से राजनीति से दूर वरुण मार्च में परिवार के साथ □धानमंत्री नरेन□ मोदी से मिले थे। उन्होंने मोदी के लिए कहा था कि उनसे अद्भुत पितृवत स्नेह और

2018 से 2024 तक राज्यसभा सदस्य रहे अनिल जैन का नाम रेस में है।पश्चिम उ□ार □देश में जाटों के बीच समीकरण मजबूत करने के लिए पार्टी पूर्व कें□ीय मंत्री सत्यपाल सिंह एवं संजीव बालियान में किसी को अवसर दे सकती है। ब्रा□णों के बीच पैठ के लिए राष्ट□ीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के अलावा मथुरा के विधायक एवं हिमाचल के □भारी श्रीकांत शर्मा का नाम भी चल रहा है। कें□ीय मंत्री बीएल वर्मा लोध विरादरी से आते हैं, जिनको जातीय समीकरण के तहत फिर उच्च सदन भेजा जा सकता है। ओबीसी मोर्चा के □देश अध्यक्ष □काश पाल की भी दावेदार है।अनुसूचित वर्ग में पार्टी जुगल किशोर, पूर्व सांसद विद्या सागर सोनकर के साथ ही □देश मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष रामच□ कनौजिया समेत कई अन्य नामों को मथ रही है। संख्याबल के आधार पर भाजपा दस में सात सीटें आसानी से जीतेगी लेकिन आठवीं सीट के लिए भाजपा को सुभासपा की मदद की दरकार होगी।

भारी बारिश के बीच राह्त-बचाव जारी, नेपाल सीमा से सटे जिलों में विशेष निगरानी

63 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश के बीच राह्त-बचाव तेज

लखन□ □संवाददाता□।□शासन को अतिरि□ सतर्कता उ□ार □देश में पिछले 48 घंटों से जारी भारी बारिश और □तिकूल मौसम की स्थिति को देखते योगी सरकार ने राहत एवं बचाव व्यवस्था को पूरी तरह स□िय रखा है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के □म में □शासन □भावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहा है। राहत आयु□ डह्. □षिकेश भास्कर यशोद ने शनिवार को □भावित जनपदों के जिलाधिकारियों को अतिवृष्टि से □भावित परिवारों से व्या□गत रूप से मिलकर समस्याओं का त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर परिस्थिति में आमजन की जान-माल की सुरक्षा जिलाधिकारियों की सर्वोच्च □ाथमिकता होनी चाहिए। नेपाल में हो रही भारी बारिश के म□नजर सीमावर्ती जिलों, विशेषकर पूर्वी उ□ार □देश में नदियों के जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए □देश में सामान्य से 19 गुना अधिक वर्षा हुई। फर्रुखाबाद में सामान्य से 200 गुना, कानपुर नगर में 160 गुना, कन्नौज, कानपुर देहात और हरदोई में सामान्य से 130 गुना अधिक वर्षा दर्ज की गई है। भदोही, देवरिया और अलीगढ़ में सामान्य वर्षा हुई, जबकि गाजीपुर में सबसे कम बारिश दर्ज की गई। वहीं बागपत, गा□ियाबाद, मथु□रा, मुज□फरनगर, सहारनपुर, शामली, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में वर्षा नहीं हुई।पिछले 48 घंटों में अतिवृष्टि और आंध ी-तूफान के कारण □देश में 117 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना □ाप्त हुई है। जिलाधि ाकारियों को □भावित परिवारों को पूरी संवेदनशीलता के साथ अनुमन्य सहायता राशि तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश हैं। भारी बारिश से क्षति का तत्काल सर्वेक्षण, आकलन कराने और □भावित लोगों को राहत सहायता शीघ्र उपलब्ध ा कराने को कहा है। जिलाधि ाकारियों को निर्दे है कि आवश्यकता के अनुसार फायर सर्विस, पीएसी, सिविल डिफेंस, होमगार्ड और आपदा मित्रों की सेवाएं ली जाएं। जिलाधिकारियों को स्वयं फील्ड में रहकर स्थिति का लगातार आकलन करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं। लेखपालों और ग्राम विकास अधिकारियों के माध्यम से कच्चे मकानों के आस-पास जलभराव की स्थिति का तत्काल संज्ञान लेने के निर्देश हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था के साथ कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर ऐसे परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश हैं। पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 36 घंटों के बाद □देश में मौसम सामान्य होने की संभावना है। राहत आयु□ ने आमजन से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। उन्होंने लोगों से □शासन और मौसम विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए राहत हेल्पलाइन 1070 पर संपर्क किया जा सकता है □देश के 63 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे

एसूस का `बियॉन्ड इन□डिबल विद एसूस' कम्युनिटी इवेंट लखन□ में, गेमिंग और ि□एटर एक्सपीरियंस की नई टेक्नोलॉजी हुई पेश

लखन□ □संवाददाता□ाया। लोगों को एसूस के ताइवान की टेक्नोलह्जी कंपनी, एसूस ने अपनी 2026 कम्युनिटी इवेंट सीरीज 'बियह्न्ड इन□डिबल विद एसूस' का लखन□ एडिशन आयोजित किया। इस इवेंट में ख्ग, ि□एटर्स, गेमर्स, टेक्नोलह्जी एंथूजियास्ट्स और एसूस के फैंस शामिल हुए। गोमती नगर, लखन□ के टिक्ल्ड पिंक में हुए इस इवेंट में इनोवेशन, ि□एटिविटी और नई पीढ़ी की कम्प्यूटिंग टेक्नोलह्जी पर फोकस किया लेटेस्ट □ोडक्ट्स को करीब से देखने और उन्हें इस्तेमाल करके देखने का मौका भी मिला।एसूस की कम्युनिटी एंगेजमेंट पहल के तहत आयोजित इस इवेंट में कंपनी के लेटेस्ट गेमिंग, ि□एटर और □ोमियम कम्प्यूटिंग □ोडक्ट्स पेश किए गए। इसमें जेनबुक, वीवोबुक, □ोआर्ट, आरओजी और टीयूएफ गेमिंग सीरीज के □ोडक्ट्स के हैंड्स-अह्न डेमो दिए गए। इनके जरिए कंटेंट ि□एशन, एंटरटेनमेंट, गेमिंग और हर दिन के कामों के लिए अलग-अलग □ोडक्ट्स को करीब से समझने का मौका मिला।इस पहल के बारे में बोलते हुए, अर्नोल्ड सू, वाइस □सिडेंट, कंज्यूमर एंड गेमिंग पीसी, एसूस इंडिया ने कहा, □लखन□ में ि□एटर्स, गेमर्स और टेक्नोलह्जी एंथूजियास्ट्स की कम्युनिटी काफी मजबूत और तेजी से बढ़ रही है। यहा□ के लोग ि□एटिवि□एटिव काम, गेमिंग और टेक्नोलह्जी में नए एक्सपीरियंस को पसंद करते हैं। 'बियह्न्ड इन□डिबल विद एसूस' के जरिए हमारा उ□ेश्य इन कम्युनिटीज से जुड़ना और उन्हें हमारी लेटेस्ट टेक्नोलह्जी को करीब से देखने और इस्तेमाल करने का मौका देना है। ऐसे इवेंट्स के माध्यम से हमें स्थानीय कम्युनिटी और ि□एटर्स से सीधे जुड़ने का मौका मिलता है। साथ ही, हम यह भी दिखा सकते हैं कि हमारे □ोडक्ट्स कंटेंट ि□एशन, □एटिव काम, गेमिंग और रोजमर्रा की □ोडक्टिविटी जैसी अलग-अलग जरूरतों में कैसे मदद कर सकते हैं।

संक्षिप्त

बारिश के बीच कच्चा मकान गिरा, पिता-बेटा-बेटी मलबे में दबे

लखन□ □संवाददाता□। राजधानी में बारिश के चलते ए कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे के दौरान घर के अंदर परिवार के साथ मौजूद पिता मलबे में दब गया। पिता, बेटा और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला और मलिहाबाद सीएचसी पहुंचाया। यहां डह्क्टरों ने □ाथमिक उपचार के बाद तीनों को ट□ह्मा सेंटर रेफर दिया। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के चौना गांव में शनिवार दोपहर करीब 1 बजे किसान सुरेश □50□ अपने बेटे रजनेश और बेटी सलोनी □ के साथ कच्चे मकान में बैठे थे। इसी दौरान अचानक मकान भरभराकर गिर गया। मलबे में दबने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए मलबा हटाने का काम शुरू किया और तीनों को बाहर निकाला। घटना की जानकारी पुलिस और □शासन को भी दी गई। ग्रामीणों की मदद से तीनों घायलों को पुलिस की गाड़ी से मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य कें□ पहुंचाया गया। यहां □ाथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डह्क्टरों ने तीनों को ट□ह्मा सेंटर रेफर कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर तहसी □शासन से कानूनगो और क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंचे। अधि ाकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों से हादसे की जानकारी ली।

लगातार बारिश से जल निकासी ठप, घरों में भरा पानी

लखन□ □संवाददाता□। शु□वार से जारी बारिश के बी शनिवार को कई इलाकों में पानी भर गया। रहीमाबाद स्थित चांदपुर गांव में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जल निकासी की सही व्यवस्था न होने से बरसात का पानी दर्जनों घरों में घुस गया है। प्यारेलाल, अमृतलाल, टुनटुन, संदीप, □दीप, गोविंद, पुष्पा, मुंशीलाल और अनीता सहित कई लोगों के घरों में पानी भर गया है। इससे गांव वाले काफी परेशान हैं और ठंड का एहसास भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के नाले साफ नहीं हैं और उन पर अति□मण भी हो गया है। इस वजह से पानी बाहर नहीं निकल पा रहा है। घरों में दूषित पानी जमा होने से मकानों के अचानक गिरने का डर बना हुआ है। ग्रामीणों ने तहसील □शासन से जल्द से जल्द इस समस्या को दूर करने की मांग की है ताकि लोगों को राहत मिल सके।

ई-रिक्शा चालक ने फांसी लगाकर दी जान

लखन□ □संवाददाता□। राजधानी में ई-रिक्शा चालक फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक साल पहले उसकी शादी हुई थी। ससुरालवालों से विवाद के बाद युवक ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मड़ियांव में सेमरागौढी निवासी अभिषेक गोस्वामी □22□ ई-रिक्शा चलाता था। भाई हिमांशु बताया कि शु□वार रात काम से लौटा। घर में खाना पीना खाकर अपने कमरे में चला गया। काफी देर बाहर नहीं आया तो परिवार देखने गया। जहां कमरे में फंदे के सहारे लटका मिला। फंदे से लटका देख आनन फानन में उतारकर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डह्क्टर ने मृत घोषित कर दिया। अभिषेक की एक साल पहले कम्मो से शादी हुई थी। शादी के बाद थोड़ा बहुत झगड़ा होता था। शु□वार को किसी बात को लेकर साले आर्यन से विवाद हुआ था। इसके बाद आत्महत्या कर ली। वहीं मामले में पुलिस का कहना है शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। शिकायत और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

मंडी निदेशक ने दुबग्गा मंडी का औचक निरीक्षण किया,कराई नालियों की सफाई

लखन□ □संवाददाता□। राजधानी में लगातार हो र बारिश के बीच मंडी निदेशक जितें□ □ताप सिंह ने शनिवार को दुबग्गा मंडी का औचक निरीक्षण किया। मंडी परिसर के कुछ हिस्सों में जलभराव मिलने पर उन्होंने मौके पर ही जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराई। अपनी मौजूदगी में नालियों की सफाई कराई, जिसके बाद पानी की निकासी शुरू हो गई। निरीक्षण के दौरान मंडी निदेशक ने नालियों और जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया। कुछ जगह नालियों की सफाई ठीक नहीं मिली। इस पर उन्होंने मंडी सचिव को फटकार लगाई और तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश को देखते हुए मंडी परिसर में जलभराव की स्थिति नहीं बननी चाहिए। जहां पानी जमा होने की आशंका है, वहां पहले से जरूरी इंतजाम किए जाएं। नालियों में कूड़ा और सिल्ट जमा न होने देने के साथ बारिश के दौरान पर्याप्त सफाई कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को भी कहा। उन्होंने मंडी सचिव को चेतावनी दी कि सफाई और जल निकासी व्यवस्था में दोबारा लापरवाही मिली तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। सफाई कार्य में लगे ठेकेदार के काम की भी नियमित निगरानी करने और लापरवाही मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। मंडी निदेशक ने अधि ाकारियों से कहा कि बारिश के दौरान किसानों और व्यापारियों को मंडी में आने-जाने और कारोबार करने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए जल निकासी और सफाई व्यवस्था लगातार स□िय रखी जाए और अधिकारी नियमित रूप से मंडी परिसर का निरीक्षण करते रहें।

शहीद भगत सिंह जयंती पर 30 सितंबर को लखन□ में होगा विशेष कार्य□म

लखन□ □संवाददाता□। भारतीय सिख संगठन के राष्ट□ अध्यक्ष सरदार जसवीर सिंह विर्क द्वारा आज यूपी □स क्लब में □स वार्ता का आयोजन किया गया।□स वार्ता में जानकारी दी गई कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल आयोजित होने वाला विशेष कार्य□म इस बार राजधानी लखन□ में 30 सितंबर 2026 को इंदिरा गांधी □तिष्ठान के जुपिटर हाल में आयोजित किया जाएगा।राष्ट□ी अध्यक्ष सरदार जसवीर सिंह विर्क ने बताया कि इस संगठन को अपने लोगों की हर तरीके से मदद करने के उ□ेश्य से बनाया गया है। 30 सितंबर को आयोजित होने वाले कार्य□म में □देश भर सिख समाज से जुड़ी कई बड़ी हस्तिया शामिल होगी। कार्य□म में सिक्ख समाज से जुड़ी विभिन्न मांगों को सरकार के समक्ष रखा जाएगा।

क्षति का आकलन कर प्रभावित परिवारों को 24 घंटे के भीतर हर संभव सहायता कराएं उपलब्धः मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रदेश में बदलते मौसम, भारी बारिश और आंधी-वज्रपात की चेतावनी को देखते हुए योगी सरकार पूरी तरह अलर्ट हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में भारी बारिश और आकस्मिक बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सभी संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने और क्षेत्र में जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने रेड अलर्ट और आकस्मिक बाढ़ की आशंका वाले जिलों में स्कूल बंद रखने को कहा है। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने व आकाशीय बिजली एवं अतिवृष्टि से हुई क्षति का तत्काल आकलन कर प्रभावित परिवारों को 24 घंटे के भीतर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सभी से अपील की गई है कि आकाशीय बिजली एवं अतिवृष्टि के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। नदियों एवं जलाशयों में स्नान करने से बचें और विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश वासियों के साथ खड़ी है।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने की मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा

भोपाल। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मध्य प्रदेश के दौरान के दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मुख्यमंत्री निवास में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की पहल से प्रदेश में सड़क परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा हैं। इससे औद्योगिक गतिविधियों के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी को प्रदेश की प्रमुख परियोजनाओं और भविष्य के सड़क विस्तार योजनाओं की जानकारी भी दीं। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि सड़क परियोजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। हर प्रोजेक्ट का डिजाइन सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी तकनीकी मानकों के अनुरूप हों।

समानुभूति से ही साकार होगा अंत्योदय का संकल्प : कश्मीरी लाल

झांसी। पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय एवं स्वदेशी जागरण मंच, कानपुर प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर गांधी सभागार में आयोजित 'विकास चेतना पर्व एवं सम्मान समारोह 2026' में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय को सही अर्थों में समझने के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा के प्रति संकल्पित होना होगा। इसके लिए केवल सहानुभूति से आगे बढ़कर समानुभूति को अपनाना होगा, तभी अंत्योदय की अवधारणा साकार हो सकेगी। उन्होंने कहा कि विकेंद्रीकरण और स्वदेशी के दो मंत्र भारत को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने की। समारोह में दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट के संगठन सचिव अभय महाजन को 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कश्मीरी लाल ने युवाओं से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन एकाग्रता, समर्पण और विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ संकल्प का उदाहरण रहा।

डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति बनाने की जरूरत

नई दिल्ली। बच्चों को ऑनलाइन दुनिया के बढ़ते खतरों से बचाने के लिए डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति बनाने की जरूरत बताई गई है। सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की रिपोर्ट 'प्रिवेंशन बाय डिजाइनः फ्रॉम वॉलंटरी सेल्फ-रेगुलेशन टू अ स्टेट ड्यूटी ऑफ केयर' में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर स्पष्ट पाबंदी लगाने और बच्चों के लिए उम्र के आधार पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक पहुंच तय करने की सिफारिश की गई है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा की जिम्मेदारी डिजिटल प्लेटफॉर्म की होनी चाहिए।

महाराष्ट्र के 265 तालुकों को सीएम फडणवीस ने किया सूखा घोषित

सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में 'ट्रिगर-1' के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर

रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज़्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा, जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।

इसके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी करेगी। साथ ही, खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा बस हादसाः मां को बचाने में इंजीनियर बेटे ने गंवा दी जान, अग्निकांड में मरने वाले सभी नौ की पहचान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर 23 सितंबर की देर रात चलती स्लीपर बस में लगी आग के हादसे में जान गंवाने वाले सभी नौ यात्रियों की पहचान हो गई है। महोबा निवासी सुनीता गुप्ता (50) और बेटे शशांक गुप्ता तथा नोएडा निवासी ओमप्रकाश के शव की शिनाख्त हुई। गुरुग्राम में इंडिगो एयरलाइंस में सॉफ्टवेयर इंजीनियर शशांक अपनी मां संग गुरुग्राम से महोबा लौट रहे थे। हादसे के बाद दोनों लापता थे। परिजनों के अनुसार, चलने-फिरने में असमर्थ मां को बचाने के

प्रयास में शशांक भी बस से बाहर नहीं निकल सके और दोनों की आग की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, ओमप्रकाश की पहचान उनके गले में पहनी चेन के आधार पर की गई। परिजनों के मुताबिक, सुनीता गुप्ता करीब एक महीने से अपने बेटे शशांक के साथ गुरुग्राम में रह रही थीं। पैरों और घुटनों की बीमारी के कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ थीं और उनका इलाज चल रहा था। परिवार के एक रिश्तेदार को हार्ट अटैक आने के बाद शशांक अपनी मां को लेकर महोबा लौट रहे थे।

भारत और जापान ने वन प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने के लिए शुरू किया प्रोजेक्ट

यह प्रोजेक्ट सभी राज्यों को कवर करेगा, जिसमें नए भाग लेने वाले राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के सहयोग से मंत्रालय द्वारा आयोजित 'प्रभावी वन प्रबंधन प्रोजेक्ट के लिए क्षमता वृद्धि' पर एक वर्कशॉप का उद्घाटन किया। 2025-26 से 2031-32 तक लागू होने वाले इस प्रोजेक्ट का मकसद वन और वन्यजीव प्रबंधन की बदलती जरूरतों, जलवायु चुनौतियों और पर्यावरण से जुड़ी नई चिंताओं से निपटने के लिए फ्रंटलाइन वन कर्मियों की क्षमता को बढ़ाना है। वर्कशॉप को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण और वनों पर निर्भर समुदायों की आजीविका के लिए जंगल बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने वन कर्मियों की तकनीकी और फील्ड-लेवल क्षमताओं को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया, खासकर जंगल की आग के प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में। मंत्री ने क्षेत्र-विशिष्ट ट्रेनिंग मॉड्यूल की मांग की, जिनमें पारंपरिक ज्ञान, वैज्ञानिक तरीकों और आधुनिक तकनीकों का मेल हो। उन्होंने रिसर्च और डेवलपमेंट, पायलट प्रोजेक्ट और वानिकी ट्रेनिंग संस्थानों को मज़बूत करने के लिए भारतीय और जापानी रिसर्च संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि भारत

करने को भी इस पहल के अहम हिस्से बताया। जेआईसीए इंडिया के सीनियर प्रतिनिधि ईजी वाकामात्सु ने कहा कि यह प्रोजेक्ट वैश्विक चुनौतियों के समाधान विकसित के साथ जेआईसीए की वानिकी साझेदारी लगभग तीन दशकों से चल रही है और इससे सात लाख से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ है। प्रोजेक्ट का दूसरा चरण लकड़ी के ट्रांसफॉर्मेशन और आजीविका पैदा करने, बेहतर वन प्रबंधन के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और मिलकर किए जाने वाले एकेडमिक रिसर्च पर केंद्रित होगा। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एडीजी (वन्यजीव) रमेश पांडे के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का कुल बजट 537.10 करोड़ रुपये है, जिसमें जेआईसीए से 440.42 करोड़ रुपये और भारत सरकार से 96.68 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट सभी राज्यों को कवर करेगा, जिसमें नए भाग लेने वाले राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'दिल्ली में जेआईसीए की मदद से चल रहे 'कैपेसिटी एनहांसमेंट फॉर इफेक्टिव फॉरेस्ट मैनेजमेंट' (प्रभावी वन प्रबंधन के लिए क्षमता वृद्धि) प्रोजेक्ट की लॉन्च वर्कशॉप को संबोधित किया। इस बात पर ज़ोर दिया कि फ्रंट-लाइन कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाना सिर्फ़ समय-समय पर क्लासरूम में दी जाने वाली ट्रेनिंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि वे फील्ड में वैज्ञानिक जानकारी, नई टेक्नोलॉजी और व्यावहारिक कौशल का इस्तेमाल कर सकें। साथ ही, स्थानीय समुदायों व अन्य संबंधित लोगों के साथ मिलकर काम करने की अपनी क्षमता को भी मजबूत कर सकें। ' उन्होंने कहा, 'यह प्रोजेक्ट वन क्षेत्र में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग में एक और अहम पड़ाव है। '

झारखंड में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित

रांची और जमशेदपुर में स्कूल बंद

एजेंसी

रांची । तीन दिनों से राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य जिलों में हो रही बारिश से कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। शहर और गांवों में पानी भरने से आम जनजीवन प्रभावित है। बारिश को देखते हुए रांची और जमशेदपुर में प्रशासन ने शनिवार स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है। मूसलाधार बारिश ने जमशेदपुर और आसपास के इलाकों में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार वर्षा के कारण शहर की प्रमुख नदियां स्वर्णरेखा और खरकई खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं, जिससे निचले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। कई इलाकों में नदी का पानी प्रवेश कर गया है और लोगों के सामने सुरक्षित स्थानों पर जाने की नौबत आ गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश जारी किया है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। मानगो, बागबेड़ा,

शास्त्रीनगर समेत नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की गई है। शनिवार को बारिश की तीव्रता में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। नदियों का जलस्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है, जिससे प्रशासन अलर्ट मोड पर है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव दलों को तैयार रखा गया है। लगातार बारिश के कारण कई सड़कों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी आपात स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष और प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क करने की अपील की है। फिलहाल पूरे जिले में बाढ़ और बारिश को लेकर हाई अलर्ट जारी है।

राहुल गांधी के आरोपों पर सत्ता पक्ष का पलटवार, चिराग बोले-

मजबूती से अपना पक्ष रखे चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली । चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान ने इसे और हवा दे दी। अब सत्ता पक्ष और सहयोगी दलों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा था कि वोट चोरी, कानून की चोरी है। ऐसे में चोरी के वोटों से चुने गए लोगों द्वारा बनाए गए कानून और संस्थागत बदलाव भी गैरकानूनी होंगे। उन्होंने कहा था कि ज्ञानेश कुमार को

सरकारी गवाह बन जाना चाहिए। पटना में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मीडिया से कहा, 'अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो यह चुनाव आयोग और विशेष रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे मजबूती से अपना पक्ष रखें। विपक्ष क्या कहता है, इसकी मुझे ज्यादा चिंता नहीं है। राजनीति करना विपक्ष का काम है। अगर वे आरोप नहीं लगाएंगे तो राजनीति कैसे करेंगे। '

उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को विपक्ष को खुश करने के लिए नहीं बल्कि जनता के मन में किसी भी तरह का संदेह न रहे, इसलिए अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए। चुनाव आयोग को लोगों का भरोसा बनाए रखना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि चुनाव प्रक्रिया को लेकर ही आम जनता के मन में शक पैदा हो जाएगा, तो यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं होगा। वहीं, दिल्ली में भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। वे नहीं चाहते कि देश में पारदर्शिता आए। एक नागरिक का वोट एक ही जगह होना चाहिए और अवैध प्रवासियों के लिए देश में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इस दिशा में भारत निर्वाचन आयोग ने बहुत सराहनीय काम किया है। देश के संसाधनों पर हक केवल देश के नागरिकों का ही है। ' जम्मू-कश्मीर में भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने कहा, 'राहुल गांधी क्या कहते हैं या क्या नहीं, इस पर मैं क्या टिप्पणी कर सकता हूं? हालांकि, उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी के लोग ही उनके बयानों को गंभीरता से नहीं लेते हैं। '

फिरोजाबाद में गूंजी युवाओं की आवाज़, 'युवा नीति संवाद'

होप संस्था के आयोजन में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास पर हुआ गहरा मंथन

800 से अधिक युवाओं ने की सशक्त भागीदारी

एजेंसी

फिरोजाबाद। 'होप संस्था' (हाउस ऑफ पॉलिटिकल एम्पावरमेंट) के द्वारा शिकोहाबाद स्थित आराध्या गार्डन में 'युवा नीति संवाद- उत्तर प्रदेश (डिकोडिंग द ग्रासरूट्स)' का भव्य आयोजन किया गया। 'चर्चा, विचार-विमर्श और विकास' की थीम पर आधारित इस महासंवाद में 800 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'ज़मीनी स्तर की बातचीत से एक मज़बूत उत्तर प्रदेश की ओर' की मूल भावना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नीति, विकास और लोकतांत्रिक चर्चा के केंद्र में लाना था। संवाद के दौरान शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, उद्यमिता, तकनीक, सामाजिक सुरक्षा और स्थानीय विकास जैसे अहम विषयों पर

युवाओं ने अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं पर खुलकर मंथन किया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवक्ता होप संस्था के संस्थापक डॉ. दिग्विजय सिंह, हंसराज कॉलेज दिल्ली में प्रवक्ता डॉ. प्रभांशु ओझा, आदर्श कृष्ण कॉलेज, शिकोहाबाद के पूर्व प्राचार्य प्रो. मौकम सिंह, शिकोहाबाद के पालीवाल कॉलेज में प्रवक्ता डॉ. एमपी सिंह, अधिवक्ता राहुल यादव और पर्यावरणविद् दीपक गौरी ने शिरकत की।वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि युवाओं को केवल सरकारी योजनाओं के लाभार्थी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नीति-निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आए युवाओं को विभिन्न सरकारी नीतियों, योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही इन योजनाओं के प्रभाव और जमीनी स्तर पर इन्हें लागू करने में आ रही चुनौतियों की पहचान की गई। आयोजकों ने आश्वस्त किया कि इस संवाद से प्राप्त सुझावों को नीति-निर्माण से जुड़े संबंधित मंचों और सरकार तक पहुंचाया जाएगा। प्रवक्ता डॉ. प्रभांशु ओझा ने कहा कि समाज में कोई भी नई क्रांति और रचनात्मकता युवाओं की ही देन है। राजनैतिक जागरूकता के बिना अन्य सभी जागरूकताएं अधूरी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के निर्माण के सपने में युवाओं की अहम भूमिका है। सरकार की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का लाभ उठाकर गांव-देहात के युवा भी यूपीएससी जैसी परीक्षाएं पास कर रहे हैं।

योगी सरकार की पुलिस की संवेदनशील पहल

अनाथ हुए बच्चों को जिले के सभी पुलिसकर्मी अपने वेतन से देंगे सहायता

एजेंसी

लखनऊ/आजमगढ़। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश पुलिस की पेशेवर दक्षता के साथ उसका मानवीय चेहरा भी सामने आया। आजमगढ़ के बड़े रेस्क्यू मिशन में पुलिस ने करीब 7-8 घंटे चले संवेदनशील ऑपरेशन के बाद दो मासूम बच्चियों की जान बचाई। अब पुलिस परिवार उनके सुरक्षित भविष्य के लिए भी आगे आया है। एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने अपने एक महीने और पुलिसकर्मी ने एक दिन का वेतन बच्चियों के भविष्य के लिए देने का एलान किया है। यह राशि दोनों बच्चियों के नाम एफडी के रूप में जमा कराई जाएगी। वहीं डीजीपी राजीव कृष्ण ने आजमगढ़ पुलिस की सूझबूझ भरी कार्रवाई और मानवीय पहलू की सराहना की है। यूपी पुलिस के मुताबिक, घटना में अरविंद, उनकी पत्नी और 9 वर्षीय पुत्र की मृत्यु के बाद परिवार में वृद्ध माता और दो बच्चियां रह गई हैं। दोनों बच्चियां फिलहाल अपने परिजनों के साथ स्वस्थ और सकुशल हैं। पुलिस उनके शिक्षा और पालन-पोषण में हरसंभव सहयोग कर रही है। घटना से हुए मानसिक आघात को देखते हुए 11 वर्षीय बच्ची के लिए चाइल्ड साइकेट्रिस्ट से परामर्श और आवश्यक मनोवैज्ञानिक सहयोग की व्यवस्था भी की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले धर्मेंद्र पाठक और अखिलेश मिश्रा के परिजनों को पात्रतानुसार सरकारी सहायता दिलाने के लिए एसएसपी ने जिलाधिकारी से बात की। पुलिस आवश्यक जानकारी और बैंक खातों का विवरण लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से सहायता दिलाने में सहयोग करेगी। दोनों परिवारों को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत पात्रतानुसार आर्थिक सहायता दिलाने की कार्रवाई भी की जा रही है। इसके साथ ही दोनों बच्चियों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत पात्रतानुसार सहायता दिलाने व वृद्ध माता को वृद्धावस्था पेंशन और अन्य पात्र सदस्यों को संबंधित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जिला प्रशासन से समन्वय किया गया है।

हत्याओं के बाद करीब 8 घंटे तक बच्चों के कैद कर बैठा था अरविंद

यूपी पुलिस के मुताबिक 22/23 सितंबर 2026 की रात आजमगढ़ के थाना आहरौला क्षेत्रांतर्गत ग्राम शम्भूपुर में तीन व्यक्तियों की हत्या के बाद आरोपी अरविंद अपने तीन बच्चों एवं लाइसेंसी रिवॉल्वर के साथ एक कमरे में बंद हो गया था। बच्चों की जान को खतरा देखते हुए पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन की रणनीति तैयार की। करीब 7-8 घंटे तक लगातार बातचीत के बाद आरोपी को आत्मसमर्पण करने व बच्चों को सुरक्षित बाहर भेजने के लिए कहा गया। इस दौरान आपात स्थिति के लिए एटीएस भी मौके पर मौजूद थी। इसी बीच देर रात कमरे के अंदर गोली चलने की आवाज आई, जिसे सुनते ही बच्चों की जान पर बचाने के लिए एसएसपी आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार, एसओजी प्रभारी संजय सिंह एवं आरक्षी प्रदीप दरवाजा तोड़कर कमरे में गए। पुलिस को देखते ही आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दोनों बच्चियों को किसी तरह सकुशल बाहर निकाला। हालांकि 9 वर्षीय शौर्य को उसके पिता द्वारा चलाई गई गोली गई थी।

यूपी सरकार ने लॉन्च किया 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुज़ीन' का आधिकारिक पोर्टल

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश की समृद्ध पाक विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाने और स्थानीय स्वाद को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में यूपी सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुज़ीन' (ओडीओसी) के आधिकारिक डिजिटल पोर्टल 222.श्रस्रश्ष-ह्वश्र.ह्वठ्ठ का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल प्रदेश के सभी 75 जनपदों की विशिष्ट पाक परंपराओं, स्थानीय व्यंजनों, खाद्य उत्पादों और इससे जुड़े उद्यमियों को एक साझा डिजिटल मंच उपलब्ध कराएगा। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मे बताया कि योगी सरकार की 'स्थानीय से वैश्विक' की सोच के अनुरूप तैयार किए गए इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की खान-पान की विविधता को केवल सांस्कृतिक पहचान तक सीमित न रखते हुए उसे पर्यटन, उद्यमिता, रोजगार, खाद्य प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और बाजार विस्तार से जोड़ना है। इससे प्रदेश के स्थानीय खाद्य उद्यमियों, फूड वेंडर्स, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को देश और दुनिया में पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए ओडीओसी के माध्यम से अब प्रदेश की पारंपरिक पाक विरासत को भी व्यवस्थित पहचान और बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट खान-पान परंपरा है। ब्रज, अवध, बुंदेलखंड, पूर्वांचल, रुहेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की पाक विविधता प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। ओडीओसी इन स्थानीय स्वादों को डिजिटल माध्यम से व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का काम करेगा। ओडीओसी पोर्टल पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों की विशिष्ट पाक परंपराओं और व्यंजनों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई है। नागरिकों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटक, खाद्य प्रेमी, खरीदार और कारोबारी भी इस मंच के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के पारंपरिक स्वाद से परिचित हो सकेंगे। पोर्टल पर डिस्ट्रिक्ट कुज़ीन, स्टेकहोल्डर डायरेक्टरी, स्कीम्स एंड पॉलिसीज, इवेंट्स, गैलरी, वीडियो, सक्सेस स्टोरीज, प्रोडक्ट वीडियो और प्रोडक्ट डीएसआर जैसे विभिन्न सेक्शन उपलब्ध हैं।

सोते वक्त हार्ट अटैक से बचने के लिए रात को क्या-क्या खाना चाहिए? नए शोध में खुलासा

रात में सोते समय हार्ट अटैक का ख्याल ही डराने वाला है. ऐसे में डाइट और नींद के बीच सामने आया कनेक्शन ध्यान खींच रहा है. रिसर्च के मुताबिक डाइट ठीक रखने से हार्ट रेट कम रहती है, जिससे खतरा कम होता है.

आज के समय में लोगों का रुटीन, खान-पान सब इतना खराब हो चुका है कि उनके शरीर में बिमारियों ने घर कर लिया है. इन्हीं बिमारियों में से अक्सर रात में सोते वक्त हार्ट अटैक आने की घटना भी अब सभी के बीच लगभग आम हो चुकी है. हालांकि, ये किसी भी व्यक्ति के लिए बेहद गंभीर स्थिति हो सकती है.

ऐसे में ये सवाल उठता है कि आखिर इसे बचने के लिए क्या करना चाहिए. अब एक नए रिसर्च में सोते समय अचानक हार्ट अटैक और रात के खाने में कनेक्शन सामने आया है. एक नई रिसर्च में डाइट और नींद के बीच एक दिलचस्प संबंध सामने आया है. इसमें बताया गया है कि रात का खाना और हमारी पूरी डाइट दिल को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाती है.

डाइट से नींद में शरीर को आराम

रिसर्च में पाया गया कि दिनभर ज्यादा फाइबर और प्लांट से मिलने वाली चीजें खाने वाले लोगों में गहरी नींद थोड़ी ज्यादा पाई गई. साथ ही, रात के समय उनका औसत हार्ट रेट भी कम था. यह इस बात की ओर इशारा करता है कि फाइबर और प्लांट-फॉरवर्ड डाइट शरीर को रात में बेहतर आराम और रिकवरी में मदद कर सकती है.

खाने से हार्ट रेट पर पड़ता है फर्क

वहीं, बेहतर नींद के लिए बीन्स, दाल, फल, सब्जियां और नट्स जैसे कम प्रोसेस्ड प्लांट फूड को रिसर्च में बेहतर ऑप्शन बताया गया है. हालांकि, केवल रात के खाने की वजह से हार्ट अटैक का खतरा नहीं रुक जाता. लेकिन, रिसर्च का बेस ये ही कि डाइट का पैटर्न नींद और रात के समय हार्ट रेट से जुड़ा हो सकता है. अच्छी नींद और दिल की सेहत के लिए सिर्फ डिनर ही नहीं, बल्कि पूरे दिन का खान-पान, एक्सरसाइज, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और दूसरी लाइफ स्टाइल की आदतें भी काफी अहम हैं.

रात की डाइट में इन चीजों को दें जगह

रिसर्च के मुताबिक, ज्यादा फाइबर और प्लांट-फॉरवर्ड डाइट बेहतर नींद से जुड़ी मिली. ऐसे में रोज की डाइट में इन खाद्य पदार्थों को शामिल किया जा सकता है-

दाल और बीन्स: फाइबर के अच्छे स्रोत हैं और पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद कर सकते हैं.

हरी और दूसरी सब्जियां: अलग-अलग रंगों की सब्जियां डाइट में कई तरह के प्राकृतिक पौधों के यौगिक उपलब्ध कराती हैं.

फल: फल फाइबर और कई दूसरे पोषक तत्वों के स्रोत हैं.

नट्स: बादाम, अखरोट जैसे नट्स को संतुलित मात्रा में डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है.

कम प्रोसेस्ड प्लांट फूड: ऐसी चीजों को प्राथमिकता देना बेहतर है जो बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड न हों.

ज्यादा फाइबर वालों में कैसी नींद मिली?

रिसर्च में ज्यादा फाइबर लेने वाले लोगों में गहरी नींद करीब 0.59 प्रतिशत पॉइंट ज्यादा मिली. ऋधरू स्लीप भी करीब 0.76 प्रतिशत पॉइंट ज्यादा थी.

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती।अभी कुछ पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उडाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं। प्रवासीनेटवर्क जुड़ेंयहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए?

राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं। लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मर्यादा का प्रश्न हमेशा बना रहता है।

इंदौर की घटना में भी यही बहस सामने आई। इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए?यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए। विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए। सरकार यदि विपक्ष के आरोपों को गलत मानती है तो उसे आंकड़ों और तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक बहस का रास्ता है।दुर्भाग्य यह है कि आज आरोप लगाना आसान हो गया है और आरोप का जवाब भी एक नए आरोप से देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। एक नेता किसी नीति पर सवाल उठाता है तो जवाब में नीति की चर्चा करने के बजाय उसके पुराने बयान खोजे जाते हैं। किसी सरकार के निर्णय पर सवाल उठता है तो विपक्ष के पुराने कार्यकाल की कमियां गिनाई जाती हैं। किसी नेता की आलोचना होती है तो उसके जवाब में दूसरे नेता की आलोचना सामने आ जाती है।

इस प्रकार राजनीतिक संवाद एक ऐसी प्रतिस्पर्धा में बदल जाता है जिसमें यह साबित करने की कोशिश होती है कि सामने वाला अधिक गलत है। लेकिन जनता का सवाल इससे अलग है कि आप क्या करेंगे? राजनीतिक दलों की ठोस योजनाएं क्या हैं। इन सवालों का उत्तर किसी आरोप से नहीं दिया जा सकता।

राजनीति में व्यक्तिगत आक्षेप इसलिए भी चिंता का विषय हैं क्योंकि वे धीरे-धीरे राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। नेता जिस भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ता है। समर्थक उसी भाषा को दोहराते हैं और फिर राजनीतिक मतभेद सामाजिक कटुता में बदलने लगते हैं। लोकतंत्र में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का अर्थ वैमनस्य नहीं है। आज विपक्ष की ओर से सरकार के प्रति पूरी तरह कटुता का व्यवहार किया जा रहा है। इंदौर के कार्यक्रम में भी कटुता का खेल खेला गया। क्या छात्र ऐसी कटुता को अपने उत्थान और विकास के लिए जरूरी मानते हैं। यह सवाल राजनीतिक दलों से पूछने का साहस भी छात्रों को करना चाहिए।

यहां यह भी आवश्यक है कि इस प्रश्न को केवल एक दल या एक नेता तक सीमित न किया जाए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, राजनीतिक मर्यादा की कसौटी सबके लिए समान होनी चाहिए। यदि विपक्ष किसी नेता की मिमिक्री करता है तो उसकी समीक्षा होनी चाहिए; यदि सत्ता पक्ष विपक्षी नेताओं पर व्यक्तिगत कटाक्ष करता है तो उस पर भी उतनी ही गंभीरता से सवाल उठना चाहिए। लोकतांत्रिक मर्यादा किसी एक दल की संपत्ति नहीं है। विपक्ष को भी लोकतान्त्रिक मर्यादा के तहत कार्यक्रम करना चाहिए। इंदौर का कार्यक्रम राजनीतिक सभा या रैली नहीं था, वह छात्रों का कार्यक्रम था, इसलिए इस कार्यक्रम में प्रथम दृष्टया राजनीतिक आरोप लगना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि वे अपने विरोधी को कितनी तीखी भाषा में जवाब दे सकते हैं। चुनौती यह है कि वे जनता के सामने अपनी नीतियों और योजनाओं को कितनी स्पष्टता से रख सकते हैं।आरोप-प्रत्यारोप से तालियां मिल सकती हैं, सोशल मीडिया पर चर्चा हो सकती है और समर्थकों का उत्साह भी बढ़ सकता है, लेकिन इससे समस्याओं का समाधान नहीं होता। बेरोजगार युवा को रोजगार चाहिए, उसे यह जानने में रुचि है कि सरकार और विपक्ष उसके लिए क्या करेंगे। विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा चाहिए, उसे यह जानना है कि परीक्षा व्यवस्था कैसे विश्वसनीय बनेगी। परिवार को सुरक्षित भविष्य चाहिए, उसे राजनीतिक कटाक्षों से अधिक ठोस नीतियों की आवश्यकता है।

इसलिए आज राजनीति को फिर से मुद्दों की ओर लौटने की जरूरत है। विरोध कीजिए, लेकिन नीतियों का विरोध कीजिए। सरकार से सवाल पूछिए, लेकिन तथ्यों के साथ पूछिए। विपक्ष के आरोपों का उत्तर दीजिए, लेकिन वैकल्पिक नीति के साथ दीजिए। व्यंग्य कीजिए, लेकिन ऐसी सीमा का ध्यान रखिए जहां राजनीतिक आलोचना व्यक्तिगत अपमान में न बदल जाए। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, किंतु असहमति को संवाद में बदलना उससे भी अधिक आवश्यक है। राजनीति का उद्देश्य केवल यह सिद्ध करना नहीं होना चाहिए कि दूसरा पक्ष गलत है, राजनीति का बड़ा उद्देश्य यह बताना होना चाहिए कि जनता के लिए सही रास्ता क्या है और उस रास्ते पर चलने की योजना क्या है।

आज जनता राजनीतिक दलों से यही अपेक्षा कर रही है कि वे आरोपों की राजनीति से आगे बढ़ें और समाधान की राजनीति को केंद्र में लाएं। यदि राजनीति लगातार व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती रही तो मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। और जब मुद्दे पीछे छूटते हैं, तब लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जनता की वास्तविक समस्याएं भी राजनीतिक विमर्श से बाहर होने लगती हैं। इसलिए समय की मांग स्पष्ट है कि कटाक्ष कम हों, संवाद बढ़े, आरोप कम हों, तथ्य बढ़ें और व्यक्तियों से अधिक मुद्दों पर राजनीति हो। यही लोकतंत्र की गरिमा भी है और जनता के प्रति राजनीति की वास्तविक जिम्मेदारी भी।

संपादकीय

यूपीआई तंत्र के हित में है एमडीआर

यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस वह सिस्टम है, जिसकी वजह से हम मोबाइल से तुरंत किसी को भी पैसे भेज या मंगवा सकते हैं। इसे 2016 में एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया) ने शुरू किया था और तब सिर्फ 44 बैंक इससे जुड़े थे। आज 750 से अधिक बैंक इससे जुड़े हैं। शुरुआत में इसका इस्तेमाल बहुत कम था, लेकिन आज हर महीने 2,400 करोड़ से भी ज्यादा लेनदेन इसी के जरिये हो रहे हैं। यानी हर दिन करीब 80 करोड़ से अधिक बार लोग यूपीआई से पैसे भेज या ले रहे हैं। यह बदलाव सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं।

गांव की छोटी दुकान, ठेले वाला, आटो चालक आदि सब यूपीआई क्यूआर कोड से जुड़ चुके हैं। इसने नकदी पर निर्भरता को कम किया है और बैंकिंग को उन लोगों तक पहुंचाया है, जिनके पास पहले कभी डेबिट-क्रेडिट कार्ड नहीं था। इसने छोटे व्यापारियों को बिना किसी भारी उपकरण या शुल्क के डिजिटल भुगतान अपनाने का मौका दिया। अर्थशास्त्र की दृष्टि से देखें तो यूपीआई ने भुगतान की लागत को शून्य कर दिया, जिससे औपचारिक आर्थिकी का दायरा बढ़ा और वित्तीय समावेशन को नई गति मिली। यही वजह है कि आज यूपीआई सिर्फ एक तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आर्थिकी की रीढ़ है।

यूपीआई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खूब सराहा गया है। आईएमएफ ने जून 2025 में यूपीआई को दुनिया का सबसे बड़ा रीयल-टाइम भुगतान तंत्र बताया था, जो विश्व का करीब 49 प्रतिशत रीयल-टाइम डिजिटल लेनदेन संभालता है-ब्राजील, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से भी अधिक। आज भूटान, नेपाल, सिंगापुर, यूएई, फ्रांस, श्रीलंका, मारीशस और मालदीव समेत करीब एक दर्जन देश यूपीआई को अपना चुके हैं और कई देश अपने डिजिटल भुगतान ढांचे को इसी माडल पर बनाने पर विचार कर रहे हैं।

अब इसी मुफ्त सिस्टम में 15 अक्टूबर, 2026 से मामूली शुल्क लगने जा रहा है, जिसे एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट कहा जाता है। एनपीसीआई के इस फैसले ने हलचल पैदा की है, लेकिन असली तस्वीर समझने के लिए इसे आंकड़ों और अर्थशास्त्र की नजर से देखना जरूरी है। सबसे पहली बात यह कि ?2,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान पूरी तरह मुफ्त ही रहेंगे और यही रकम कुल भुगतान (यानी जब किसी दुकानदार को यूपीआई से पैसे दिए जाते हैं) का 95 प्रतिशत से भी ज्यादा हिस्सा है। मतलब सौ में से 95 से ज्यादा बार जब आप यूपीआई से पैसे देंगे तो कोई शुल्क नहीं लगेगा।यूपीआई भुगतान पर शुल्क सिर्फ उन पांच प्रतिशत से भी कम लेनदेन पर लगेगा जो ?2,000 से अधिक के होंगे और वह भी सिर्फ बड़े दुकानदारों-कारोबारियों पर। जो छोटे दुकानदार महीने में एक लाख रुपये तक यूपीआई क्यूआर कोड से कमाते हैं, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनके लिए सब कुछ पहले जैसा मुफ्त ही रहेगा। दर भी बहुत मामूली रखी गई है-सिर्फ 0.4 प्रतिशत और वह भी 75,000 या उससे अधिक के लेनदेन पर अधिकतम 300 तक।यह शुल्क ग्राहक से नहीं, बल्कि दुकानदार से लिया जाएगा यानी 3,000 की खरीदारी पर दुकानदार को सिर्फ 12 रुपये का एमडीआर देना होगा। 1,00,000 की खरीदारी पर 0.4त्न के हिसाब से 400 बनते हैं, लेकिन दुकानदार से अधिकतम 300 ही लिया जाएगा। रेलवे टिकट, बीमा प्रीमियम, बिजली-पानी बिल, पेट्रोल पंप और स्कूल-कालेज की फीस आदि पर तो और भी राहत है। वहां प्रतिशत की जगह सिर्फ 5 रुपये का फ्लैट शुल्क ही लगेगा, चाहे रकम कितनी भी बड़ी क्यों न हो।

भारत में क्रेडिट कार्ड पर दुकानदारों को आमतौर पर 1.5 से 2.5 प्रतिशत तक शुल्क देना पड़ता है, जबकि डेबिट कार्ड पर यह करीब 0.9 प्रतिशत तक जा सकता है। इस हिसाब से यूपीआई की 0.4 प्रतिशत दर अब भी सबसे सस्ती रहेगी-क्रेडिट कार्ड से चार-छह गुना कम और डेबिट कार्ड से भी काफी कम। इसका मतलब है कि दुकानदारों के पास डिजिटल भुगतान अपनाते रहने की वजह बनी रहेगी और नकदी की तरफ लौटने का खतरा नहीं बढ़ेगा।

Modi के Gujarat की Hilsa Fish के आयात पर Tariqve Rahman ने लगा दी रोक, India-Bangladesh रिश्तों में आई नई टेंशन

भारत और बांग्लादेश के कूटनीतिक संबंध पहले ही खराब दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृहराज्य गुजरात की हिलसा मछली का आयात रोक कर इस चिंगारी को और भड़का दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार शाम बांग्लादेश ने भारत से हिलसा मंगाने वाले आयात परमिट रद्द कर दिए। पिछले करीब दो महीनों में बांग्लादेश लगभग 550 टन भारतीय हिलसा मंगा चुका था, लेकिन अब अचानक इस व्यापार पर रोक लगा दी गई है। मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यह फैसला ऐसे समय आया है जब बांग्लादेश खुद हिलसा की कमी और बढ़ती कीमतों से जूझ रहा है। यानी जिस भारतीय हिलसा की जरूरत बांग्लादेश के अपने बाजार को पड़ रही थी, उसी पर रोक लगाकर ढाका ने भारत के साथ पहले से तनावपूर्ण चल रहे रिश्तों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। देखा जाये तो यह फैसला ऐसे समय आया है जब बांग्लादेश में हिलसा की स्थानीय पकड़ पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले कमजोर हुई है और वहां कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। बांग्लादेशी मछुआरा महासंघ के अध्यक्ष रवींद्रनाथ बर्मन ने आरोप लगाया कि कुछ व्यापारियों ने भारत की गुजरात वाली हिलसा को बांग्लादेशी हिलसा बताकर बेचने की कोशिश की, जिससे उपभोक्ताओं के साथ धोखा हुआ।लेकिन असली कहानी इससे कहीं बड़ी है। हिलसा सिर्फ एक मछली नहीं है। बंगाली समाज में इसका स्वाद, परंपरा, धार्मिक रीति और सांस्कृतिक पहचान से गहरा संबंध है। बांग्लादेश इसे अपनी राष्ट्रीय मछली मानता है, जबकि पश्चिम बंगाल में भी पद्मा की हिलसा को विशेष प्रतिष्ठा हासिल है। हम आपको बता दें कि पद्मा गंगा की एक प्रमुख वितरिका है, जो आगे मेघना से मिलकर बंगाल की खाड़ी में जाती है। यही वजह है कि पद्मा और मेघना की हिलसा भारत में महंगी कीमत पर भी खरीदी जाती है।विडंबना देखिए कि बांग्लादेश लंबे समय से भारत को सीमित मात्रा में हिलसा भेजता रहा है, लेकिन दूसरी तरफ भारत से सैकड़ों

टन हिलसा खरीद भी रहा है। पिछले दो महीनों में भारत से करीब 500 टन हिलसा बांग्लादेश पहुंची और अतिरिक्त 150 से 200 टन की प्रक्रिया भी चल रही थी। इनमें बड़ी मात्रा गुजरात के भरूच और नर्मदा क्षेत्र की हिलसा की बताई गई है।इसका कारण स्वाद से ज्यादा अर्थशास्त्र है। बांग्लादेश में पद्मा और मेघना की अच्छी हिलसा लगभग 2,200 से 2,800 टका प्रति किलो तक पहुंच सकती है, जबकि गुजरात की हिलसा वहां के थोक बाजार में लगभग 500 से 700 टका प्रति किलो की लागत पर पहुंचती है और खुदरा बाजार में करीब 1,500 से 1,800 टका प्रति किलो में बिक सकती है। यानी बांग्लादेश के लिए गुजरात की हिलसा स्थानीय कमी को पूरा करने का अपेक्षाकृत सस्ता माध्यम बन गई है।यही वह कारण है जहां बांग्लादेश का मौजूदा फैसला सवालों के घेरे में आता है। अगर भारतीय हिलसा वहां की आपूर्ति व्यवस्था, प्रसंस्करण उद्योग और कीमतों को संभालने में उपयोगी है, तो अचानक आयात परमिट रोकने से सबसे सीधा असर वहां के बाजार और उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। दूसरी तरफ भारत में भी इसका असर होगा। पश्चिम बंगाल के व्यापारियों के अनुसार गुजरात में मौजूदा हिलसा की उपलब्धता भी सीमित हो चुकी है और कोलकाता के बाजार में म्यांमार की हिलसा ही एक प्रमुख विकल्प बच सकती है।भारत के लिए दूसरी बड़ी चुनौती घरेलू उत्पादन की है। पश्चिम बंगाल में हिलसा का उत्पादन वर्ष 2001 के करीब 80 हजार टन से घटकर 2013 में लगभग 15 हजार टन और 2020 में करीब 10 हजार टन रह गया था। इसके पीछे बंगाल की खाड़ी में अत्यधिक मछली पकड़ने को एक प्रमुख कारण बताया गया है। इसी कमी ने गुजरात की हिलसा के लिए बाजार तैयार किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार गुजरात ने 2025-26 में करीब 14,588 टन हिलसा का उत्पादन किया।वहीं बांग्लादेश में भी हिलसा का उत्पादन गिरा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वार्षिक उत्पादन 2022 के 5,71,324 टन से घटकर 2025 में करीब 5 लाख टन रह गया। इसी दौरान कीमतों में भारी उछाल आया। ऐसे में भारत से आने वाली अपेक्षाकृत सस्ती हिलसा की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है।मगर सबसे बड़ा खतरा उपभोक्ता भरोसे का है। पश्चिम बंगाल और दिल्ली जैसे बाजारों में गुजरात और गंगा की हिलसा में अंतर करना कई खरीदारों के लिए आसान नहीं है। कुछ व्यापारियों ने खुद माना कि खरीदार को यह पता लगाना कठिन हो सकता है कि मछली वास्तव में कहां की है।

ऐसे में गलत नाम से बिक्री का आरोप सिर्फ व्यापारिक विवाद नहीं, बल्कि खाद्य पारदर्शिता का मुद्दा भी बन जाता है।इस पूरे घटनाक्रम का व्यापक निहितार्थ साफ है। हिलसा अब सिर्फ स्वाद और परंपरा का विषय नहीं रही। यह सीमा-पार व्यापार, कीमत, स्थानीय उत्पादन, उपभोक्ता विश्वास और दोनों देशों के बाजारों की परस्पर निर्भरता का प्रतीक बन चुकी है। बांग्लादेश भारत से हिलसा खरीदकर अपनी कमी पूरी करता है, जबकि भारत में बंगाली उपभोक्ता बांग्लादेशी पद्मा हिलसा के लिए तरसते हैं। देखा जाये तो एक ही मछली है, लेकिन सीमा के दोनों ओर उसकी आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका अलग है।

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशक्कत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाए
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

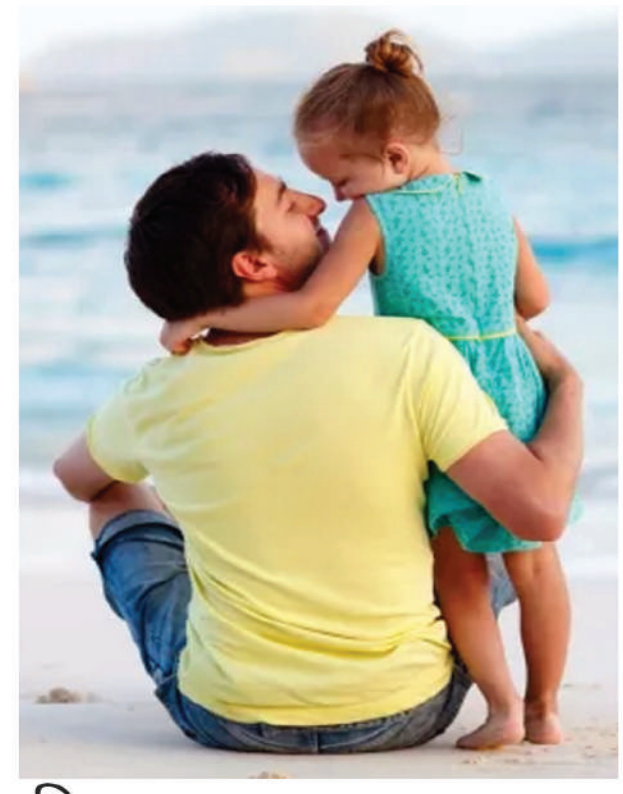

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके ऊपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

फिर धमाल मचाएंगे

अनीत पड्डा

और अहान पांडे, मोहित सूरी की अगली फिल्म पर धांसू अपडेट आ गया!

साल 2025 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सैयारा' से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पड्डा एक बार फिर चर्चा में हैं. अपनी पहली ही फिल्म से बॉक्स ऑफिस के बड़े-बड़े रिकॉर्ड तोड़ने वाली यह जोड़ी फिर साथ आ रही है. यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी पिक्चर के डायरेक्टर मोहित सूरी थे. जिसने सिनेमाघरों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी. अब मोहित सूरी एक नई प्लानिंग के साथ अहान पांडे और अनीत पड्डा पर दांव खेल रहे हैं. हाल ही में फिल्म पर बड़ा अपडेट आया. जिससे पता लगा कि मोहित सूरी की अगली फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में शुरू होगी.

दरअसल यह प्रोजेक्ट मोहित सूरी और 'सैयारा' के एक्टर्स के बीच दूसरा कोलैबोरेशन होगा. खास बात है कि यशराज फिल्म्स वाले ही इस पिक्चर को भी प्रोड्यूस कर रहे हैं. हाल ही वैरायटी इंडिया पर एक रिपोर्ट छपी. जिसमें कहा गया कि अक्टूबर के दूसरे हफ्ते से अहान पांडे और अनीत पड्डा फिर बड़ी तैयारियों में जुट जाएंगे. कुछ वक्त पहले ही बताया गया था कि फिल्म के लिए 'सतरंगा' नाम पर चर्चा की जा रही है. उस समय यह नाम पक्का नहीं हुआ था, हालांकि इसे टी-सीरीज के साथ रजिस्टर कराया गया था.

अनीत और अहान की बड़ी तैयारी

अनीत पांडे और अहान पांडे की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अबतक कंफर्म नहीं किया गया है. हो सकता है कि जिस नाम पर पहले चर्चा चल रही थी, यानी 'सतरंगा' के साथ ही मेकर्स आगे बढ़ जाए. खैर, इन सबके बीच जानकारी मिली है कि मोहित सूरी और उनकी टीम अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में शूटिंग शुरू करेंगे. वैसे मेकर्स ने कहानी को अभी छिपाकर रखा है. हालांकि पहले इस फिल्म को एक लव स्टोरी बताया गया था, जिसमें एक्शन भी देखने को मिलेगा. अब अक्टूबर में शूटिंग शुरू होना तय हो गया है, इसलिए जैसे-जैसे प्रोडक्शन फोटोग्राफी के फेज में आगे बढ़ेगा. तो उसके बाद पिक्चर के टाइटल, कहानी और रिलीज की प्लानिंग को लेकर भी खुलासे हो जाएंगे.

अनीत और अहान की बड़ी फिल्में ?

दरअसल 'सैयारा' की सफलता के बाद अनीत पड्डा अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'शक्ति शालिनी' में बिजी थीं. यह मैडॉक फिल्म्स की मच अवेटेड फिल्म है, जिसे आदित्य सरपोतदार ने तैयार किया है. वहीं, इस फिल्म का काम अनीत पूरा कर चुकी हैं.

दूसरी तरफ अहान पांडे डायरेक्टर अली अब्बास जफर की एक बड़े बजट की एक्शन-रोमांटिक फिल्म में काम कर रहे हैं. अली अब्बास जफर की इस फिल्म में अहान का एक हाई-ऑक्टेन एक्शन और ग्रेसफुल अंदाज देखने को मिलेगा.

छोटे पर्दे का सुपरहीरो 'हातिम' अब किस हाल में जी रहा है? कई साल से नहीं मिला कोई लीड रोल!

आज भारतीय टेलीविजन के उस चहेते चेहरे का जन्मदिन है, जिसने 2000 के दशक में करोड़ों बच्चों और युवाओं के दिलों की धड़कनें तेज कर दी थीं. 25 सितंबर को अपना जन्मदिन मना रहे अभिनेता राहिल आजम को जब भी कोई याद करता है, तो जेहन में सिर्फ एक ही छवि तैरती हैहाथ में जादुई तलवार, लंबे बाल और सात पहेलियों की तलाश में निकला शूरवीर 'हातिम'. साल 2003 में जब स्टार प्लस पर 'हातिम' टेलीकास्ट हुआ था, तो राहिल आजम रातों-रात नेशनल क्रश और छोटे पर्दे के सबसे बड़े फैंटेसी सुपरहीरो बन गए थे.उस दौर में ऐसा लगता था कि टीवी इंडस्ट्री का अगला सुपरस्टार मिल चुका है और वे आने वाले दशकों तक बतौर लीड हीरो राज करेंगे. लेकिन आज, उस शो के 23 साल गुजर जाने के बाद दर्शक जब टीवी का रिमोट उठाते हैं, तो एक टीस और हैरानी भरा सवाल सामने आता है, आखिर छोटे पर्दे का वो चमकता सुपरहीरो अब किस हाल में जी रहा है? और इतना बड़ा नाम होने के बावजूद उन्हें पिछले कई सालों से किसी बड़े टीवी शो में सोलो लीड रोल क्यों नहीं मिला?

सॉफ्टवेयर इंजीनियर से टीवी का 'हातिम'

बेंगलुरु से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर मुंबई की मायानगरी में किस्मत आजमाने आए राहिल आजम की पर्सनैलिटी और स्क्रीन प्रेजेंस कमाल की थी. 'हातिम' की कामयाबी के बाद उनके सामने ऑफर्स की कोई कमी नहीं थी. लेकिन यहीं से टीवी इंडस्ट्री का वो कड़वा सच सामने आया, जिसे बहुत कम लोग समझ पाते हैं. उस दौर में टीवी पर सास-बहू के डेली सोप्स का सैलाब आ चुका था, जहां पुरुष एक्टर का काम ज्यादातर शादी के मंडप में खड़े रहना या बैकग्राउंड में चाय का कप पकड़ना रह गया था. राहिल आजम उन कलाकारों में से नहीं थे जो सिर्फ स्क्रीन टाइम पाने के लिए किसी भी घिसे-पिटे रोल में खुद को खपा देते. उन्होंने कभी खुद को किसी एक सांचे या इमेज में बंधने नहीं दिया. इसका नतीजा यह हुआ कि मेकर्स ने उन्हें सोलो रोमांटिक लीड के तौर पर कास्ट करने के बजाय या तो खूंखार विलेन के रूप में देखा या फिर मजबूत सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित कर दिया.

सीआईडी के 'नकुल' से 'अनुपमा' के 'यशपाल' तक का सफर

भले ही उन्हें पिछले दो दशकों में कोई बड़ा सोलो लीड रोल नहीं मिला, लेकिन जब-जब राहिल कैमरे के सामने आए, उन्होंने अपनी एक्टिंग का ऐसा खौफ और असर छोड़ा कि मुख्य हीरो भी फीके पड़ गए. 'सीआईडी' जैसे आइकॉनिक सीरियल को ही देख लीजिए एसीपी प्रद्युम्न के बागी और साइको बेटे 'नकुल' का किरदार निभाकर उन्होंने पूरे देश को हिला दिया था.

'शुद्ध देसी रोमांस' के बाद एक और फिल्म करने वाले थे सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

दिवंगत एक्टर सुशांत ने अपनी एक्टिंग और अपनी सादगी भरे अंदाज से कई लोगों का दिल जीता था. हालांकि, 14 जून 2020 को एक्टर ने दुनिया को अलविदा कह दिया, जिससे लाखों दिल टूट गए थे. फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' में दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था. फिल्म को ऑडियंस का अच्छा रिस्पॉन्स भी मिला था. दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री के साथ-साथ ऑफ स्क्रीन बॉन्ड भी काफी अच्छा था. अब कई सालों बाद परिणीति चोपड़ा ने सुशांत को याद करते हुए उनके साथ अपने रिश्ते और दोस्ती को लेकर कुछ बातें शेयर की हैं.

एक्ट्रेस ने बताया कि दोनों एक-दूसरे की बात और सोच को अच्छी तरह समझते थे. एक्ट्रेस ने यह भी याद किया कि जब उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता था, तब सुशांत ने उन्हें लेकर काफी खुशी जताई थी और उनका हौसला बढ़ाया था. सुशांत के साथ दोबारा काम करने का मौका नहीं मिल पाने की बात पर भी एक्ट्रेस ने अपनी फिलिंग शेयर की है.

सुशांत संग कैसा था परिणीति का रिश्ता

परिणीति चोपड़ा ने एक खास बातचीत में दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ अपनी दोस्ती और बॉन्ड को याद किया. फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' में दोनों ने साथ काम किया था. बातचीत के दौरान परिणीति ने बताया कि सुशांत उनके लिए सिर्फ को-स्टार नहीं, बल्कि एक अच्छे दोस्त और हमेशा हौसला बढ़ाने वाले इंसान थे. परिणीति ने याद किया कि जब उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता था, तब सुशांत ने उन्हें लेकर काफी खुशी जताई थी और उन्हें बधाई दी थी. उन्होंने सुशांत को अपना 'बडी' और 'चीयरलीडर' बताते हुए कहा कि वह हमेशा उनके काम और उपलब्धियों को लेकर उत्साहित रहते थे.

एक और फिल्म साथ करने वाले थे स्टार्स

एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि दोनों एक बार फिर साथ काम करने वाले थे. सुशांत और परिणीति को डायरेक्टर होमी अदजानिया की एक फिल्म में साथ कास्ट किया जाना था, लेकिन किसी वजह से वह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका. परिणीति ने कहा कि उन्हें इस बात का हमेशा अफसोस रहेगा कि वह फिल्म उनके साथ नहीं कर पाईं. सुशांत के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए परिणीति ने बताया कि दोनों अक्सर स्टार्स, फिल्मों की इकनॉमिक्स और कई दूसरे मुद्दों पर लंबी बातचीत किया करते थे.

जन्नत की जोया के नाम से आज भी पहचानी जाती हैं

सोनल चौहान

बोलीं- मुझे इससे कोई परेशानी नहीं

करीब दो दशक पहले रिलीज हुई फिल्म जन्नत ने सोनल चौहान को हिंदी फिल्म दर्शकों के बीच एक खास पहचान दिलाई थी. इस फिल्म में वो इमरान हाशमी के अपोजिट नजर आई थीं. फिल्म में इमरान और सोनल की कैमेस्ट्री ने सभी का दिल जीत लिया था. आज भी कई लोग उन्हें जन्नत गर्ल या उनके किरदार के नाम जोया से जानते हैं. हालांकि, सोनल को इस पहचान से कोई परेशानी नहीं है. उनका कहना है कि किसी एक किरदार के लिए इतने सालों बाद भी याद किया जाना किसी भी कलाकार के लिए गर्व की बात है.हाल ही में सोनल चौहान को एक नई पहचान भी मिली है. मिर्जापुर्द मूवी में मुमताज का किरदार निभाने के बाद अब दर्शक उन्हें इस नाम से भी पहचानने लगे हैं. सोनल के मुताबिक, उनके लिए यह उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि है.

जन्नत गर्ल का टैग मिलने पर क्या बोलीं सोनल

एनडीटीवी से बातचीत में सोनल चौहान ने जन्नत से जुड़ी अपनी पहचान के बारे में बात की. ।उन्होंने बताया कि उन्हें आज भी जन्नत गर्ल कहलाना बिल्कुल पसंद है और उन्होंने कभी इस पहचान से दूरी बनाने की कोशिश नहीं की. सोनल ने कहा, मुझे लगता है कि बहुत कम एक्टर्स को अपनी पहली फिल्म में वो मिलता है, जो मुझे मिला. उन्होंने आगे कहा कि इतने सालों बाद भी अगर लोग उन्हें जोया के नाम से याद करते हैं, तो यह उनके लिए बेहद खास है.

सोनल ने कहा, आज तक मुझे मेरे किरदार के नाम से बुलाया जाता है या लोग मुझे जन्नत गर्ल के नाम से जानते हैं. मुझे इससे क्यों परेशानी होगी? मुझे लगता है कि ये बहुत खूबसूरत बात है कि मेरी पहली फिल्म में मुझे इतना प्यार मिला कि दर्शक आज भी उसे भूले नहीं हैं.

अब मुमताज के नाम से बुला रहे हैं लोग

सोनल के लिए अब सबसे अच्छी बात यह है कि उनके साथ एक नई पहचान भी जुड़ गई है. मिर्जापुर्द मूवी में मुमताज का किरदार निभाने के बाद लोग उन्हें अब मुमताज के नाम से भी पहचानने लगे हैं.

उन्होंने कहा, इतने सालों बाद भी मैं इसे किसी और तरह नहीं देखना चाहूंगी. मुझे जन्नत गर्ल कहलाना पसंद है, लेकिन इस समय मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की हो रही है कि पहले लोग मुझे जोया कहते थे और अब सभी मुझे मुमताज कह रहे हैं.

एशियाई खेल 2026:नेपाल के खिलाफ बारिश से मैच रद्द होने पर जापानी क्रिकेट टीम बाहर

एजेंसी

आइची-नगोया। एशियाई खेल 2026 की पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता में मेजबान जापान का अभियान समाप्त हो गया। शनिवार को ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल की पारी के बाद लगातार बारिश के कारण जापान की लक्ष्य का पीछा करने की बारी ही नहीं आ सकी और मैच बिना गेंद फेंके रद्द कर दिया गया। डिजिटलकैलेंडर चुनें नेपाल ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में निर्धारित 15 ओवर में चार विकेट पर 149 रन बनाए। सुन्दीप जोरा और लोकेश बम ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए नेपाल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद लगातार बारिश के कारण जापान की पारी शुरू नहीं हो सकी। इस परिणाम के साथ नेपाल ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया, जबकि अफगानिस्तान ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली। जापान का टूर्नामेंट में सफर यहीं समाप्त हो गया। नेपाल की पारी भी मौसम से प्रभावित रही। बारिश के कारण मुकाबला शुरू होने में देरी हुई और पांचवें ओवर के दौरान भी खेल रोकना पड़ा। खराब परिस्थितियों के बावजूद नेपाल ने वापसी करते हुए चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

एशियाई खेल 2026: जादुमणि सिंह 55 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

आइची-नगोया। भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह का एशियाई खेल 2026 में अभियान शनिवार को समाप्त हो गया। पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उन्हें फिलीपींस के कार्लो पालाम के हाथों 3-0 के स्प्लिट डिसीजन से हार का सामना करना पड़ा। पालाम ने मुकाबले की शुरुआत तेज गति और आक्रामक अंदाज में की। पहले राउंड में उन्होंने अपनी तेजी का फायदा उठाते हुए जादुमणि को परेशान किया। भारतीय मुक्केबाज ने कुछ अच्छे जैब लगाए और दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन पालाम ने प्रभावी काउंटर अटैक के जरिए बढ़त बनाए रखी। सभी जजों ने पहला राउंड फिलीपींस के मुक्केबाज के पक्ष में 10-9 दिया। दूसरे राउंड में दोनों मुक्केबाजों ने संयम के साथ मुकाबला किया और मौके तलाशते रहे। पालाम ने अपनी बढ़त बरकरार रखी, जिससे जादुमणि पर अंतिम राउंड में वापसी का दबाव बढ़ गया। तीसरे राउंड के शुरुआती क्षणों में दोनों मुक्केबाजों ने रक्षात्मक खेल अपनाया, लेकिन इसके बाद मुकाबला आक्रामक हो गया। दोनों ने एक-दूसरे पर कई मुक्के लगाए और जोरदार संघर्ष किया। हालांकि शुरुआती दो राउंड में पालाम द्वारा बनाई गई बढ़त निर्णायक साबित हुई।

एशियाई खेल 2026: आयुष शेट्टी ने सीधे गेम में जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एशियाई खेल 2026 में पुरुष एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आयुष ने शनिवार को दूसरे दौर के मुकाबले में कजाकिस्तान के मखसुत ताजिबुल्लायेव को सीधे गेम में 21-7, 21-7 से हराया। आयुष ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपने तेज मूवमेंट तथा सटीक शॉट्स से कजाकिस्तान के खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी ने महज 18 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर अगले दौर में प्रवेश किया। दोनों गेम में आयुष ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और ताजिबुल्लायेव को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने दोनों गेम समान 21-7 के स्कोर से जीतकर मुकाबला समाप्त किया। प्री-क्वार्टर फाइनल में आयुष की चुनौती अब काफी कठिन होने वाली है। उनका सामना चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा, जो मौजूदा बीएफडब्ल्यू वर्ल्ड टूर नंबर-1 हैं।

एशियाई खेल 2026: उन्नति हुड्डा ने वोंग लिंग चिंग को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने एशियाई खेल 2026 में महिला एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्नति ने शनिवार को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को रोमांचक मुकाबले में 21-14, 20-22, 21-19 से हराया। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज उन्नति ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की और पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। हालांकि, 38वीं रैंकिंग वाली वोंग ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की। दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई और वोंग ने 22-20 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। दूसरे गेम में ब्रेक तक उन्नति ने अच्छी बढ़त बना रखी थी, लेकिन छोर बदलने के बाद वोंग ने लय हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ी ने 17-16 की बढ़त बनाई और फिर गेम अपने नाम कर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला रहा।

विश्व कप 2027 भारत के लिए मेरा आखिरी, खिताब जीतना लक्ष्य : विराट कोहली

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका में होने वाला 2027 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा और उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट को जीतना है।

पश्चिमी इंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला से पहले जियोस्टार से बातचीत में कोहली ने कहा कि 50 ओवर के विश्व कप की तीव्रता किसी भी अन्य प्रारूप से अलग होती है। उन्होंने कहा कि विदेशी परिस्थितियों में होने वाले विश्व कप में लगातार उच्च स्तर की तीव्रता बनाए रखना बड़ी चुनौती होती है। कोहली ने कहा, 'यह भारत के लिए मेरा आखिरी विश्व कप होगा

और यही मेरी प्रेरणा है। मैं अपना सब कुछ देना चाहता हूं। जाहिर तौर पर लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं। ' कोहली और रोहित शर्मा अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के केवल एक प्रारूप में खेल रहे हैं। दोनों अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

वहीं, रोहित शर्मा ने कहा कि विश्व कप को लेकर उनका अधूरा काम खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक वह खेल रहे हैं, तब तक उनके सामने हासिल करने के लिए कुछ न कुछ मौजूद रहेगा। रोहित ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में अलग-अलग टीमों, मैदानों और परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और सोच में भी बदलाव करना होता है। भारत और पश्चिमी इंडीज के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला 27 सितंबर को दोपहर 2 बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमें आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाएंगी।

एशियन गेम्सः कपिल पोखरिया क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, ईरान के साम एस्ताकी को 5-0 से हराया

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय मुक्केबाज कपिल पोखरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 की पुरुषों की 91 किग्रा भार वर्ग स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कपिल ने शनिवार को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में ईरान के साम एस्ताकी को 5-0 से हराया।

कपिल ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक और नियंत्रित अंदाज में खेल दिखाया। लंबाई में बढ़त के बावजूद एस्ताकी भारतीय मुक्केबाज की सटीक पंचिंग और बेहतर मूवमेंट का सामना नहीं कर सके। पहले राउंड में कपिल ने 4-1 से बढ़त हासिल की। दूसरे राउंड में भी कपिल ने अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने लगातार प्रभावी पंच लगाए और जजों ने सर्वसम्मति से राउंड उनके पक्ष में दिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज ने संयम बनाए रखा और एस्ताकी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। अंततः कपिल ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

क्वार्टर फाइनल में कपिल का सामना दक्षिण कोरिया के किम गिचाए और पाकिस्तान के इरफान खान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से 28 सितंबर को होगा। इससे पहले शनिवार को भारत के जदुमानी सिंह को पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालाम के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियन खेलः नागोया पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान से होगा सामना

एजेंसी

नागोया। एशियन खेल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम शनिवार को नागोया पहुंच गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार, 28 सितंबर को क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान का सामना करेगी। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे शुरू होगा। भारतीय टीम की नजर पिछले संस्करण में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने पर है। हांगझोऊ 2023 एशियन खेल में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था। फाइनल मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था और बेहतर वरीयता के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। उस समय टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ ने की थी।

एशियन खेल के लिए भारतीय टीम में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार

रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी और यश ठाकुर शामिल हैं। पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता में पहले दौर के मुकाबले पूरे होने के बाद अब नॉकआउट चरण शुरू हो चुका है। ग्रुप ए से अफगानिस्तान और नेपाल ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नेपाल और जापान के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद नेपाल ग्रुप में शीर्ष पर रहा, जबकि जापान प्रतियोगिता से बाहर हो गया।

ग्रुप ए के दूसरे क्वार्टर फाइनल में नेपाल का सामना 29 सितंबर को श्रीलंका से होगा। वहीं, ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान के बीच मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान और बांग्लादेश से भिड़ेंगी। एशियन खेल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना खिताब सफलतापूर्वक बचा चुकी है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

यह एआईची-नागोया एशियन खेल में भारत का पहला स्वर्ण पदक भी था। अब पुरुष टीम की कोशिश भी महिला टीम की सफलता को दोहराने और लगातार दूसरी बार एशियन खेल क्रिकेट में स्वर्ण पदक जीतने की होगी। श्रेयस अय्यर की अगुआई में टीम सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल से अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

एशियन खेलः अभय फाइनल में

ऐतिहासिक स्वर्ण और लॉस एंजिलिस ओलंपिक टिकट से एक कदम दूर

एजेंसी

नागोया। भारत के अभय सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन खेल 2026 के पुरुष एकल स्क्वैश के फाइनल में जगह बना ली है। अभय ने शनिवार को सेमीफाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को सीधे गेमों में 11-3, 12-10, 11-6 से हराया। इसके साथ ही वह एशियन खेल के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अभय से पहले सौरव घोषाल ने एशियन खेल के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई थी। घोषाल ने 2014 और 2023 में रजत पदक जीता था। अब अभय के पास भारत के लिए इस स्पर्धा में पहला एशियन खेल स्वर्ण पदक जीतने का मौका है। अभय ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहला गेम 11-3 से आसानी से अपने नाम किया। दूसरे गेम में इरफान ने कड़ा संघर्ष किया और स्कोर 10-10 तक पहुंच गया, लेकिन अभय ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए लगातार दो अंक हासिल किए और 12-10 से गेम जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरे गेम में भी अभय ने शुरुआत से नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने चार मैच प्वाइंट हासिल किए और पहले ही मौके को भुनाते हुए गेम 11-6 से जीत लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सीधे गेमों में मुकाबला अपने नाम कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। फाइनल में अभय का सामना एक और पाकिस्तानी खिलाड़ी से हो सकता है। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान के नूर जमान का मुकाबला मलेशिया के एइन योव एनजी से होगा।

अनाहत भी फाइनल में

भारत की अनाहत सिंह पहले ही महिला एकल स्क्वैश के फाइनल में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने शनिवार को जापान की विश्व नंबर छह खिलाड़ी सातोमी वातानाबे के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत दर्ज की। अनाहत ने शुरुआती दो गेम 9-11 और 11-13 से गंवा दिए थे।

इसके बाद 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की। तीसरे गेम में वह एक समय 8-10 से पीछे थीं, लेकिन दोनों गेम प्वाइंट बचाकर 12-10 से गेम जीत लिया। इसके बाद उन्होंने चौथा गेम 11-6 और निर्णायक गेम 11-3 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

इंडियन सुपर लीग 2026-27 का कार्यक्रम जारी 10 अक्टूबर से होगा आगाज

एजेंसी

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2026-27 सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। नए सत्र की शुरुआत 10 अक्टूबर 2026 को होगी। पहले दिन दो मुकाबले खेले जाएंगे। उद्घाटन मैच में बेंगलुरु एफसी का सामना स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली से श्री कांतीरवा स्टेडियम में शाम 5 बजे होगा। इसके बाद शाम 7:30 बजे फतोर्डा स्टेडियम में एफसी गोवा और चेन्नईयिन एफसी आमने-सामने होंगे।

2026-27 सत्र में कुल 13 टीमें हिस्सा लेंगी और पहले चरण में 78 मुकाबले खेले जाएंगे। प्रशंसकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए लीग में सप्ताहांत के मुकाबलों पर विशेष जोर दिया गया है। पहले चरण के 78 में से 53 मुकाबले यानी करीब 68 प्रतिशत मैच शुक्रवार, शनिवार या रविवार को खेले जाएंगे। अधिकांश मुकाबले शाम 5 बजे और 7:30 बजे शुरू होंगे।

सत्र में बेंगलुरु एफसी, चेन्नईयिन एफसी, चर्चिल ब्रदर्स, ईस्ट बंगाल एफसी, एफसी गोवा, इंटर काशी, केरल ब्लास्टर्स एफसी, मोहन बागान सुपर जायंट, मुंबई सिटी एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, ओडिशा एफसी, पंजाब एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली हिस्सा लेंगी। 2026-27 सत्र में कई नए मुकाबले और नए आयोजन स्थल देखने को मिलेंगे। 13 दिसंबर को फतोर्डा स्टेडियम में चर्चिल ब्रदर्स और एफसी गोवा के बीच होने वाला मुकाबला आईएसएल का पहला गोवा डर्बी होगा। यह मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

लीग का विस्तार मणिपुर तक भी होगा। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के बीच 24 नवंबर को इंफाल के खुमान लंपक स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा।

ईस्ट बंगाल करेगा खिताब का बचाव

मौजूदा चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी अपने खिताब का बचाव 18 अक्टूबर से शुरू करेगा। टीम फतोर्डा स्टेडियम में शाम 5 बजे चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ उतरेगी। एएफसी प्रतिबद्धताओं के कारण ईस्ट बंगाल पहले सप्ताह के मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेगा।

एशियाई खेलः अनिमेष 200 मीटर के सेमीफाइनल में

हीट में 21.10 सेकंड का समय निकाला

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय धावक अनिमेष कुजूर ने एशियाई खेल 2026 की पुरुष 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अनिमेष ने शनिवार को अपनी हीट में 21.10 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया और अगले दौर के लिए क्वालिफाई किया।

अनिमेष ने शुरुआत से ही अच्छी गति बनाए रखी और अपनी हीट में अन्य धावकों को पीछे छोड़ते हुए आसानी से सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया। अब उनकी नजरें सेमीफाइनल में बेहतर प्रदर्शन कर पदक की दौड़ में जगह बनाने पर होंगी। इस बीच, भारत के सावन बरवाल ने पुरुष मैराथन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीतकर इतिहास रचा। उन्होंने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड का समय निकाला। निशानेबाजी में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदर्शा विनोद ने महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम स्पर्धा में रजत

पदक जीता। तिलोत्तमा ने 590 अंकों के साथ तीसरा और विदर्शा ने 588 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल कर व्यक्तिगत फाइनल में भी जगह बनाई। तीरंदाजी में भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहा। चिकिता तनीपार्थी (705), ज्योति सुरेखा वेन्नम (699) और पृथिका प्रदीप (695) ने मिलकर 2099 अंक जुटाए। एथलेटिक्स के डेकाथलॉन में तेजस्विन शंकर और थोफीक नौशाद 100 मीटर में क्रमशः पांचवें और सातवें स्थान पर रहे। इसके बाद लंबी कूद में तेजस्विन 7.53 मीटर के प्रयास के साथ पहले स्थान पर रहे, जबकि थोफीक 7.37 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कुल स्कोर में तेजस्विन 1807 अंकों के साथ दूसरे और थोफीक 1759 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। कैनो स्प्रिंट में हर्षवर्धन शक्तावत पुरुष कयाक एकल 500 मीटर सेमीफाइनल में पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल बी में पहुंचे। पार्वती गीता और प्रसन्ना कुमार मिश्रित कयाक डबल 500 मीटर सेमीफाइनल में दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल ए में पहुंच गए। वहीं, राजू रावत और नेहा देवी लीचोनबाम मिश्रित कैनो डबल 500 मीटर फाइनल में आठवें स्थान पर रहे। तलवारबाजी में भारतीय महिला फॉयल टीम ने इंडोनेशिया को 45-24 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पुरुष सेबर टीम ने अंतिम-16 में फिलीपींस को 45-27 से हराया, लेकिन क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया से 25-45 से हार गई। बैडमिंटन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के दूसरे दौर में सिंगापुर के लोह कीन यू से 12-21, 21-15, 14-21 से हारकर बाहर हो गए। टेबल टेनिस में यशस्विनी घोरपड़े को महिला एकल के तीसरे दौर में जापान की मिवा हारिमोटो से हार मिली। ई-स्पोर्ट्स में पारितोष को प्यूयो प्यूयो चैंपियंस के क्वार्टर फाइनल में डोंगशिन कांग ने 5-0 से हराया।

एशियन गेम्स 2026: तिलोत्तमा और विदर्शा व्यक्तिगत 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में पदक से चूकीं

अंतिम शॉट से पहले वह दक्षिण कोरिया की किम जियून से 0.3 अंक आगे तीसरे स्थान पर थीं।

एजेंसी

आइची-नगोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय निशानेबाज तिलोत्तमा सेन और विदर्शा के. विनोद ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन दोनों पदक जीतने से मामूली अंतर से चूक गईं। तिलोत्तमा चौथे और विदर्शा पांचवें स्थान पर रहीं। तिलोत्तमा कांस्य पदक के बेहद करीब पहुंच गई थीं। अंतिम शॉट से पहले वह दक्षिण कोरिया की किम जियून से 0.3 अंक आगे तीसरे स्थान पर थीं। हालांकि, तिलोत्तमा ने अंतिम प्रयास में 9.4 अंक बनाए, जबकि किम ने 10.5 अंक हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। इस तरह तिलोत्तमा को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। विदर्शा का सफर इससे पहले ही समाप्त हो गया। उन्होंने एक चरण में 10.4 अंक हासिल कर कजाकिस्तान की अरीना मालिनोव्स्काया को पीछे छोड़ा, लेकिन अगले शॉट में 10.0 अंक हासिल करने के बाद वह पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। विदर्शा 327.4 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। दोनों भारतीय निशानेबाजों ने क्वालिफिकेशन में मजबूत

प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। तिलोत्तमा ने 590-32× अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था, जबकि विदर्शा ने 588-29× अंक के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। फाइनल में चीन की हान जियायु और झांग लियुआन ने स्वर्ण और रजत पदक जीतकर शीर्ष दो स्थान हासिल किए। हान ने निर्णायक शॉट पर 10.5 अंक हासिल कर 359.0 के स्कोर के साथ स्वर्ण जीता और नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। झांग 358.8 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

हालांकि, भारतीय टीम पहले ही इस स्पर्धा में पदक सुनिश्चित कर चुकी थी। तिलोत्तमा सेन, विदर्शा के. विनोद और आशी चौकसे की भारतीय टीम ने 1,763-90× अंक के साथ रजत पदक जीता था। आशी ने 585-29× अंक का योगदान दिया था, लेकिन वह व्यक्तिगत फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थीं। विदर्शा के लिए यह एशियन गेम्स में दूसरा रजत पदक भी है। इससे पहले उन्होंने एलावेनिल वलारिवन और सोनम उत्तम मस्कर के साथ महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। इस तरह भारत को महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम स्पर्धा में रजत पदक मिला, लेकिन तिलोत्तमा और विदर्शा व्यक्तिगत स्पर्धा में पोडियम पर जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गईं।

एशियन गेम्स 2026: अनाहत सिंह ने महिला स्क्वैश फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार वापसी करते हुए जापान की विश्व नंबर छह सातोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने सेमीफाइनल में शुरुआती दो गेम गंवाने के बाद लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज अनाहत को वातानाबे ने शुरुआती दोनों गेम में कड़ी चुनौती दी। जापानी खिलाड़ी ने अपनी गति में बदलाव, कोण और विविध शॉट्स का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 13-11 से जीत लिया।

दो गेम से पिछड़ने के बाद अनाहत ने तीसरे गेम में शानदार धैर्य दिखाया। वह एक समय 8-10 से पीछे थीं और वातानाबे के पास गेम जीतने के दो मौके थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दोनों गेम प्वाइंट बचाते हुए लगातार अंक जुटाए और तीसरा गेम 12-10 से अपने नाम कर लिया।

तीसरे गेम की जीत के बाद अनाहत का आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने चौथे गेम में आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-6 से जीत दर्ज की। मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद निर्णायक गेम में भी भारतीय खिलाड़ी ने दबाव बनाए रखा। अनाहत ने पांचवां गेम 11-3 से जीतकर 3-2 से मुकाबला अपने नाम किया और फाइनल में प्रवेश किया।अनाहत अब स्वर्ण पदक के लिए महिला एकल के फाइनल में उतरेंगी। एशियन गेम्स में भारत के लिए शनिवार का दिन पदकों के लिहाज से शानदार रहा। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। एथलेटिक्स में सावन बरवाल ने पुरुष मैराथन में 2:11:37 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक हासिल किया।

निशानेबाजी में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदर्शा विनोद की भारतीय टीम ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में रजत पदक जीता। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा चौथे और विदर्शा पांचवें स्थान पर रहीं।

स्क्वैश के मिश्रित युगल में जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल में उन्हें हांगकांग की जोड़ी से हार मिली।

बैडमिंटन में आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि लक्ष्य सेन को पुरुष एकल के दूसरे दौर में सिंगापुर के लोह कीन यू के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

मुक्केबाजी में कपिल पोखरिया ने 91 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दहेज केस में फरार चल रहे आरोपी को द्वारका पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के द्वारका जिले की एंटी-जेल बेल एंड प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर सेल की टीम ने दहेज के एक मामले में ट्रायल से भाग रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेंद्र (33) निवासी रूप नगर, दिल्ली के रूप में हुई है। उसे 4 अक्टूबर 2024 को कोर्ट की एमएस वैशाली सिंह, एलडी जेएमएफसी, साउथ-वेस्ट, द्वारका कोर्ट द्वारा एफआईआर कर थाना मोहन गार्डन के मामले में भगोड़ा घोषित किया गया था। द्वारका जिले के डीसीपी कुशल पाल सिंह, आईपीएस के निर्देश पर भगोड़े अपराधियों को पकड़ने पर हमेशा विशेष जोर दिया जाता है। इसी कड़ी में एसीपी ऑपरेशन्स द्वारका सुभाष मलिक की देखरेख में एक टीम का गठन किया गया था।इस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर हरीश कुमार कर रहे थे, जिसमें पीओ एंड जेल बेल सेल द्वारका के हेड कांस्टेबल राहुल यादव और कांस्टेबल अशोक शामिल थे। टीम को भगोड़े अपराधियों और सक्रिय बदमाशों को पकड़ने का टास्क दिया गया था। 10 सितंबर 2026 को टीम को एक गुप्त सूचना मिली कि जितेंद्र, जो दहेज के मामले में ट्रायल से बच रहा था और जिसे द्वारका कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम तुरंत रूप नगर पहुंची। टीम ने जाल बिछाया और मोहन गार्डन, दिल्ली में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली हाईकोर्ट का मेटा को आदेशः पीएम मोदी के साथ एआई-मॉर्फ्ड तस्वीरें 24 घंटे में हटाएं, पीड़िता को पुलिस सुरक्षा

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कथित तौर पर एआई के जरिए मॉर्फ की गई तस्वीरों के प्रसार से जुड़े मामले में बड़ा आदेश देते हुए मेटा को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों से सभी आपत्तिजनक तस्वीरें और संबंधित वेबलिंक 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता महिला को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया। साथ ही दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। हाई कोर्ट ने इस मामले में सीजेपी से जुड़े अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह को भी नोटिस जारी किया है।

याचिका में पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसकी तस्वीर को एआई तकनीक की मदद से एडिट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मॉर्फ किया गया और उसे सोशल मीडिया तथा अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया। महिला ने अदालत से इन तस्वीरों और उनसे जुड़े सभी वेबलिंक हटाने की मांग की थी।

अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगीः सीबीआई ने अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी रैकेट के मुख्य आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध कॉल सेंटरों के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने उक्त आरोपी और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ 8 सितंबर 2026 को मामला दर्ज किया था। यह मामला एक बड़े पैमाने पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी गिरोह से संबंधित है। इसको कथित तौर पर 2024 से गुजरात के अहमदाबाद से अवैध कॉल सेंटरों के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। आरोपियों ने आपस में और अज्ञात सहयोगियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची और फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी), यूएस अटॉर्नी, क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी (सीआईएसए) और अन्य संघीय एजेंसियों के अधिकारियों का रूप धारण किया। उन्होंने वीओआईपी संचार के माध्यम से पीड़ितों को झूठी सूचना दी कि उनकी पहचान का दुरुपयोग करके किसी ने उनके कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से बाल पोर्नोग्राफी देखी है। इसके बाद, आरोपियों ने पीड़ितों को अपने बैंक खातों से पैसे निकालने, सोना खरीदने और उसे अमेरिका में उनके द्वारा नियुक्त कूरियर को सौंपने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार, पीड़ितों को बहला-फुसलाकर उनसे 72 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी की गई।

भारत में ईयू के राजदूत जीन-एरिक पाकेट ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सौंपा परिचय पत्र

नई दिल्ली । भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत जीन-एरिक पाकेट ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपना परिचय पत्र सौंपा। इससे पहले वे जापान में यूरोपीय संघ के राजदूत के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राजदूत एरिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ अपनी तस्वीर साझा की। एरिक ने पोस्ट में लिखा, ''भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने अपना परिचय-पत्र पेश करना मेरे लिए सम्मान की बात है। व्यापार, रक्षा, सुरक्षा और रिसर्च एवं इनोवेशन (आरएंडआई) जैसे क्षेत्रों में रिश्ते तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे महत्वपूर्ण और उत्साह भरे समय में भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) का प्रतिनिधित्व करने पर मुझे गर्व है। हमारी साझा प्राथमिकताओं पर मिलकर सहयोग करने और काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'' राष्ट्रपति भवन ने 'एक?स' पर पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूरोपीय संघ के राजदूत जीन-एरिक पाकेट से परिचय पत्र स्वीकार किए। ' भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी व्यापार, रक्षा और सुरक्षा तथा अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्रों में प्रगति कर रही है।

समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर नेताओं ने किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। महान दार्शनिक, समाज सुधारक और शिक्षाविद् ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने याद करते हुए नमन किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभों में से एक और जाने-माने समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को उनकी जयंती पर याद करते हुए।' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक एवं भारतीय नवजागरण के अग्रदूत ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। नारी शिक्षा, सामाजिक समरसता एवं मानव कल्याण के लिए आपका अतुलनीय योगदान भारतीय समाज को निरंतर प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। '

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'महान दार्शनिक, समाज सुधारक और शिक्षाविद् ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर उन्हें सादर नमन। शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का आधार मानने वाले विद्यासागर ने नारी शिक्षा, सामाजिक समानता और जनजागरण के लिए अथक प्रयास किए। बंगाली भाषा और साहित्य को सरल एवं आधुनिक स्वरूप देने में भी उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनका विचार, व्यक्तित्व और मानव सेवा के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। 'दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा, 'बंगाल

की धरती ने भारत को नवजागरण की जो चेतना दी, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर उसके प्रखर प्रकाश-स्तंभ थे। महान शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक ईश्वर चन्द्र विद्यासागर की जयंती पर शत-शत नमन। ' राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'महान समाज सुधारक, प्रखर शिक्षाविद् एवं राष्ट्रभक्त, स्वतंत्रता सेनानी ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन! नारी शिक्षा, सामाजिक समानता और मानवीय मूल्यों के लिए उनका अथक संघर्ष एवं समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके प्रगतिशील विचार हमें राष्ट्र और समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए निरंतर समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे। '

बिहार के मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महान शिक्षाविद, समाज सुधारक एवं मानवतावादी ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। शिक्षा के प्रसार, महिला शिक्षा और समाज में सुधार के लिए उनका समर्पित जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा। '

मध्य प्रदश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पर लिखा, 'प्रख्यात समाज सुधारक, शिक्षाविद् एवं स्वतंत्रता सेनानी ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर सादर नमन करता हूं। नारी सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुधार के क्षेत्र में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनका सरल जीवन, मानवीय दृष्टिकोण और समाज के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणादायी रहेगा। '

उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'महान समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर सादर नमन। शिक्षा के प्रसार, नारी सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार के लिए आपके अथक प्रयास सदैव समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। '

एनसीआर में तीन दिन तक छाए रहेंगे बादल

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगातार हो रही बारिश का असर अब दिल्ली-एनसीआर के मौसम पर भी दिखाई देने लगा है। शनिवार सुबह से ही दिल्ली, नोएडा और आसपास के इलाकों में आसमान पर काले बादल छाए हुए हैं और कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 26 सितंबर को दिल्ली-एनसीआर के लिए बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, 26 और 27 सितंबर को सामान्य तौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार, 26 सितंबर को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इस दिन सामान्य तौर पर बादल छाए रहेंगे और मध्यम बारिश हो सकती है। सुबह से लेकर पूर्वाह्न, दोपहर और शाम तक अलग-अलग समय पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

27 सितंबर को भी मौसम का

मिजाज बदला हुआ रहेगा। आईएमडी के पूर्वानुमान में इस दिन अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आसमान सामान्य तौर पर बादलों से घिरा रहेगा और मध्यम बारिश की संभावना है। सुबह, पूर्वाह्न, दोपहर और शाम के समय हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। हवा की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

28 सितंबर को भी बादल छाए रहने की संभावना है, हालांकि बारिश की तीव्रता कम होगी। अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस दिन हल्की बारिश का अनुमान है और कोई मौसम चेतावनी नहीं दी गई है। वहीं 29 सितंबर को मौसम में धीरे-धीरे सुधार की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आसमान मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है और कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम विभाग के 26 सितंबर के उप-विभागीय पूर्वानुमान में पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 26 सितंबर को अत्यधिक भारी बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाओं की चेतावनी है।

27 सितंबर को भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुत भारी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है। इसके चलते उत्तर प्रदेश से सटे दिल्ली-एनसीआर में भी बादल और बारिश की गतिविधियां बनी रह सकती हैं। बारिश और तेज हवाओं के चलते सड़क यातायात प्रभावित होने, जलभराव तथा बिजली से जुड़ी दिक्कतों की आशंका बन सकती है।

लॉक तोड़कर चुराते थे वाहन, शाहदरा पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । शाहदरा जिले की गांधी नगर पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी की दो होंडा एक्टिवा स्कूटी और एक मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, 9 सितंबर को गांधी नगर थाने में राजगढ़ कॉलोनी से स्कूटी चोरी होने की ई-एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि 8 सितंबर को उनकी स्कूटी चोरी हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी शाहदरा की निगरानी, एसीपी गांधी नगर के मार्गदर्शन और एसएचओ इंस्पेक्टर राज कुमार की देखरेख में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में एएसआई राहुल, हेड कांस्टेबल अभय पंवार, जितेंद्र, प्रमोद, विजयपाल और कांस्टेबल प्रिंस शामिल थे। जांच के दौरान पुलिस ने दिल्ली पुलिस के कैमरों और आरोपियों के भागने वाले रास्ते पर लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो लोग स्कूटी का लॉक तोड़कर चोरी की गाड़ी के साथ भागते हुए दिखे। तकनीकी विश्लेषण से एक आरोपी के चेहरे की पहचान हुई। लगातार सीसीटीवी एनालिसिस, तकनीकी जांच और फील्ड वेरिफिकेशन के बाद पुलिस ने आरोपियों के ठिकाने का पता लगा लिया। पहले आरोपी की पहचान समीर (26 वर्ष) निवासी न्यू बृजपुरी, जगतपुरी, दिल्ली के रूप में हुई। पूछताछ में समीर ने अपना जुर्म कबूल किया और बताया कि उसने अपने साथी सोहेल के साथ मिलकर चोरी की थी। समीर की निशानदेही पर दूसरे आरोपी सोहेल (20 वर्ष) निवासी ओल्ड बृजपुरी, खुरेजी खास, जगतपुरी को अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने चोरी के तीन सामान बरामद किए। पहली स्कूटी, जो 18 सितंबर को गांधी नगर थाने के ई-एफआईआर में चोरी हुई थी। दूसरी स्कूटी जो 15 सितंबर को जीटीबी एन्क्लेव थाने के इलाके से चोरी हुई थी।

ग्लोबल साउथ को अब नियम मानने नहीं, नियम बनाने होंगे: विक्रम मिस्री

एजेंसी

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली । संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान भारत ने एक बार फिर ग्लोबल साउथ के हितों को मजबूती से रखा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने न्यूयॉर्क में 'ग्रुप ऑफ 77' के विदेश मंत्रियों की 50वीं सालाना बैठक में भारत का पक्ष रखा। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा गया, 'विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने न्यूयॉर्क में यूएनजीए81 के दौरान 'ग्रुप ऑफ 77' के विदेश मंत्रियों की 50वीं सालाना बैठक में भारत का राष्ट्रीय बयान दिया। इस बैठक का विषय 'ग्लोबल साउथ और मल्टीलेटरलिज्म का भविष्य' था। '

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने भी इस बैठक की जानकारी साझा की। अपने पोस्ट में मिशन ने बताया कि विदेश सचिव ने लोगों पर केंद्रित और विकास-उन्मुख बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाने में जी77 की लगातार अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में जी77 जैसे

मंच की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि यही मंच विकासशील देशों की आवाज को एकजुट करता है। मिस्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तत्काल जरूरत को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जब तक यूएनएससी में विकासशील देशों की आवाज और प्रतिनिधित्व मजबूत नहीं होगा, तब तक सच्चा बहुपक्षवाद संभव नहीं है।अपने बयान में विदेश सचिव ने एक बड़ा आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ को अब 'नियम मानने वालों' से 'नियम बनाने वालों' की भूमिका में आना होगा। इसके लिए सभी विकासशील देशों को सामूहिक प्रयास करने होंगे।

एक अन्य कार्यक्रम में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संयुक्त राष्ट्र की डिप्टी सेक्रेटरी-जनरल अमीना जे. मोहम्मद से भी मुलाकात की। इस मुलाकात में एआई और सतत विकास में उभरते अवसरों पर चर्चा हुई। विदेश सचिव ने इस दौरान डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) में भारत के योगदान पर जोर दिया और बताया कि भारत किस तरह सतत विकास के लिए समावेशी, सुलभ और मानव केंद्रित एआई टेक्नोलॉजी विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है।

तलाक पीड़ित बेसहारा महिलाओं को वक्फ बोर्ड देगा घर, अगले महीने लाएंगे प्रस्ताव : शादाब शम्स

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने तीन तलाक और हलाला पीड़ित बेघर और बेसहारा महिलाओं को सहारा देने के लिए एक बड़ी पहल का ऐलान किया। वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने कहा कि बोर्ड के पास मौजूद लैंड बैंक और संपत्तियों का इस्तेमाल अब उनके असली हकदारों, यतीमों, मिस्कीनों और विधवाओं के लिए किया जाएगा। शादाब शम्स ने कहा, 'वक्फ प्रॉपर्टीज का एक लैंड बैंक है। हम केयरटेकर हैं, और हमारे पास कई घर और संपत्तियां हैं। हम सरकार के साथ बैठकर बात करेंगे कि हम उन्हें बेहतर तरीके से कैसे सौंप सकते हैं। मुझे उम्मीद है क्योंकि मैंने हमारे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की, और उन्होंने बहुत सकारात्मक जवाब दिया। जब से वक्फ संशोधन एक्ट आया है, तब से बेसहारा महिलाओं में उम्मीद जगी है और अब गरीबों को उनका हक मिलेगा। उसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए उत्तराखंड की धामी सरकार एक फैसला लेने जा रही है।' उन्होंने कहा कि अगले महीने की मीटिंग में हम एक प्रस्ताव रख रहे हैं कि जो महिलाएं तीन तलाक या हलाला

पीड़ित हैं और बेघर या बेसहारा हैं, उन्हें वक्फ बोर्ड सहारा देगा। वक्फ बोर्ड उन्हें रहने की जगह देगा ताकि वे बिना किसी मकसद के न भटकें। उत्तराखंड की धामी सरकार यूसीसी लेकर आई है और उसी की ग्राउंडिंग में हम यह कोशिश कर रहे हैं कि बेटियों को उनके हक दिए जा सकें। जो बेसहारा हैं, वक्फ तो उन्हीं के लिए था। वक्फ सदके, जकात, और खैरात का पैसा है। यह यतीमों, मिस्कीनों, बेवाओं और बेसहाराओं का हक था, लेकिन इसके ऊपर कुछ राजनीतिक दलों के नेता और उनके कार्यकर्ता बैठ गए और वक्फ का जो असली मकसद था, वह खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश उस मकसद को जमीन पर उतारने की है, उन बेटियों को उनके अधिकार दिलाने की है और फिर उन्हें सशक्त बनाकर रोजगार से जोड़ने की है, ताकि वे बेटियां आत्मनिर्भर होकर अपने बच्चों का पालन-पोषण कर सकें और किसी के सामने झुकना न पड़े। जिस तरह उत्तराखंड में हलाला के दो-तीन मामले सामने आए हैं, उनमें देखने को मिला कि बेटी को मजबूर किया गया और उससे कहा गया कि 'तुम कहां जाओगी, तुम्हारे भाई तुम्हें नहीं रखेंगे, और पति ने तलाक देकर घर से निकाल दिया है तो अब तुम कहां जाओगी?' ऐसे में वह कहीं न कहीं इसी दबाव में रहती हैं कि 'मैं कहां जाऊंगी। '

कन्या केलवानी निधि से लेकर नमामि गंगा अभियान तकः पीएम मोदी के उपहारों की नीलामी बनी जनसेवा का माध्यम

सरकारी अनुमानों के अनुसार, नीलामी के पिछले संस्करणों के माध्यम से नमामि गंगा परियोजना के लिए 50 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जुटाई गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होकर उनके 25 वर्षों के जनसेवा और राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान के उपलक्ष्य में एक महीने तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' का पालन कर रही है। इस दौरान एक पहलू जो व्यापक रूप से ध्यान से नहीं देखा गया है, वह यह है कि उन्हें प्राप्त उपहार, स्मृति चिन्ह और यादगार वस्तुएं किस प्रकार 'जनहित' के कार्यों में योगदान दे रही हैं। यह सिलसिला पिछले 25 वर्षों से निरंतर बना हुआ है-पहले अक्टूबर 2001 से गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और मई 2014 से प्रधानमंत्री के रूप में। उन्हें प्राप्त उपहारों को वर्षों से नकद में परिवर्तित किया गया है और उससे प्राप्त धनराशि का उपयोग बालिका सशक्तीकरण, गंगा नदी की सफाई और अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रमों के वित्तपोषण में किया गया

है। कन्या केलवानी निधि योजना और नमामि गंगा योजना, विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा की पहचान बन गई हैं क्योंकि उन्होंने उपहारों-शॉल, मूर्तियां आदि को 'सेवा के साधन' में बदल दिया।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने 2003 में कन्या केलवानी निधि की नींव रखी, जिसके तहत बालिका शिक्षा और महिला साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित कोष बनाया गया। 2003 में बालिका शिक्षा के लिए वित्त पोषण हेतु शुरू किया गया यह कार्यक्रम सच्ची सेवा का प्रतीक था, जो बाद के वर्षों में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और अन्य कौशल विकास एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रमों के माध्यम से और भी मजबूत हुआ।

कन्या केलावनी निधि ने तत्कालीन मुख्यमंत्री को प्राप्त उपहारों की नीलामी से धनराशि जुटाई और वर्षों बाद यह मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना (एमवाईएसवाई) नामक एक औपचारिक योजना बन गई। 2017-18 में औपचारिक रूप से शुरू की गई यह योजना नीट के माध्यम से एमबीबीएस में प्रवेश पाने वाली लड़कियों को सहायता प्रदान करती है। पात्र महिला मेडिकल छात्राओं को एमवाईएसवाई के माध्यम से ट्यूशन फीस का 50 प्रतिशत मिलता है।

नमामि गंगा कार्यक्रम-2014 में शुरू किया गया, गंगा को उसके गौरवशाली अतीत और प्रदूषण मुक्त स्वरूप में पुनर्स्थापित करने का राष्ट्र का सबसे महत्वाकांक्षी प्रयास है।

नमामि गंगा पवित्र नदी और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित और नया जीवन देने की एक महत्वाकांक्षी परियोजना रही है। यह परियोजना चाहे किसी भी कारण से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से दूर हो, प्रधानमंत्री द्वारा प्राप्त उपहारों की नीलामी ने इस कार्य में निरंतर योगदान दिया है। जनवरी 2019 में शुरू हुई प्रधानमंत्री स्मृति चिन्ह ई-नीलामी से प्राप्त धनराशि सीधे नमामि गंगा कार्यक्रम के लिए समर्पित है।

जल केवल संसाधन नहीं, आर्थिक संवृद्धि और सतत विकास की मूल धुरी है : संजय दुबे

नई दिल्ली के 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में मप्र ने प्रस्तुत की संधारणीय जल प्रबंधन की अनुकरणीय रूपरेखा

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि जल केवल एक साधारण प्राकृतिक संसाधन नहीं, अपितु एक रणनीतिक परिसंपत्ति है, जो राज्य की आर्थिक संवृद्धि, नगरीय सहनशीलता, पर्यावरण संधारणीयता और दीर्घकालिक विकास आयोजना की मूल धुरी है।

अपर मुख्य सचिव दुबे नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 9वें 'भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह' में जल को राष्ट्रीय परिसंपत्ति के रूप में पुनर्परिभाषित करना विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय परिचर्चा में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भावी जल सुरक्षा और समर्थ शहरों के निर्माण के लिए नवोन्मेषी वित्तीय तंत्रों, टिकाऊ अधोसंरचना विकास तथा एकीकृत

जल संसाधन प्रबंधन को अंगीकार करना समय की मांग है।

नगरीय विकास और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संतुलन

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने राज्य की दूरदर्शी जल प्रबंधन नीतियों को रेखांकित करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश शासन संधारणीय अधोसंरचना, नवीन वित्तीय प्रबंधन और उत्तरदायी जल संरक्षण को एक साथ एकीकृत कर रहा है। उन्होंने इंदौर में नर्मदा नदी प्रणाली से संबद्ध जल अधोसंरचना के लिए जारी किए गए देश के सफल 'ग्रीन बॉन्ड' का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि इंदौर का यह नवाचार यह सिद्ध करता है कि किस प्रकार नगरीय विकास और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को एक साथ गति दी जा सकती है।

'नमामि नर्मदे' मिशन और दीर्घकालिक जल सुरक्षा

दुबे ने कहा कि 'नमामि नर्मदे' मिशन नदियों के पुनरुद्धार, पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और दीर्घकालिक जल सुरक्षा के प्रति मध्यप्रदेश की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह मिशन राज्य के उस व्यापक दृष्टिकोण के अनुकूल है, जिसके तहत आर्थिक प्रगति को प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रबंधन और संरक्षण का संबल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बल दिया कि 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि के लिए मध्य प्रदेश समावेशी विकास, सुदृढ़ नगरीकरण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिये जल सुरक्षा को निरंतर सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। सिटीगाइड खोजें सत्र में काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) तथा एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई नीतिगत रिपोर्ट इंडिया वाटर डाइजेस्टः स्केलिंग इन्वेस्टमेंट फॉर ए वाटर-सिक्योर इंडिया का विमोचन किया गया। यह रिपोर्ट जल क्षेत्र में पूंजीगत निवेश को बढ़ाने तथा भारत की विकास यात्रा में जल सुरक्षा को एक अनिवार्य आर्थिक स्तंभ के रूप में स्थापित करने पर बल देती है। इस अवसर पर देश-विदेश के नीति निर्माता, विकास संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं जल क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ उपस्थित थे।

यह एक बड़ी उपलब्धि', राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर मनुष-दिया को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में मनुष शाह और दिया चितले की जोड़ी ने टेबल टेनिस के मिक्स्ड डबल्स इवेंट में देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। मनुष-दिया को खास उपलब्धि हासिल करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बधाई दी है। राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड डबल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर मनुष शाह और दिया चितले को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि भारत ने गेम्स के लगातार तीसरे संस्करण में भी इस खेल में मेडल जीतने का सिलसिला जारी रखा है। भविष्य में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए मेरी शुभकामनाएं।' केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी भारत की इस जोड़ी को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 के मिक्स्ड डबल्स टेबल टेनिस में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर हमारे पैडलर्स मनुष शाह और दिया चितले को बधाई। '

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मनुष-दिया को बधाई देते हुए लिखा, 'मनुष शाह और दिया चितले ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। एशियन गेम्स 2026 में टेबल टेनिस मिक्स्ड डबल्स में पोडियम तक पहुंचने के लिए इस जोड़ी को बहुत-बहुत बधाई। भारतीय टेबल टेनिस के लिए यह गर्व का पल है। ' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मनुष शाह और दिया चितले को बधाई देते हुए लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड डबल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर मनुष शाह और दिया चितले पर गर्व है। मैं उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देता हूं। उनका हुनर, लगन और टीमवर्क तारीफ के काबिल है और भारत के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। ' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जोड़ी को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'एशियन गेम्स में भारतीय टेबल टेनिस के लिए गर्व का पल।